www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 20 जुलाई 2026
वर्ष: 17
अंक: 80 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, हर ओर तबाही

11 लोगों की मौत, 2 साल के मासूम का शव निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

उत्तराखंड में भी लैंडस्लाइड, कई जगह मलबे का ढेर जमा

पीटीआई न्यूज एजेंसी को अधिकारियों ने बताया कि नूनाबंदी गांव में घर गिरने से 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और उनके दो से छह साल की उम्र के तीन बच्चे घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोअर मुर्रा में भूस्खलन से एक और घर क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच सदस्य लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक अन्य घटना में मरहोते में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया।

एलजी ने स्थिति की समीक्षा की

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित पुंछ और राजौरी जिलों में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय स्वयंसेवकों की बचाव टीमें मौके पर काम कर रही हैं।

राजौरी में अचानक आई बाढ़ बनी कहर

राजौरी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक रहा। अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुई लगातार बारिश से आई अचानक बाढ़ ने राजौरी शहर के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे सैकड़ों निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारी बारिश के कारण अधिकारियों को रियासी जिले में स्थित सलाल बांध के सभी द्वार खोलने पड़े, जिससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। अधिकारियों ने नदी किनारे रहने वाले निवासियों को सलाह जारी कर नदी के किनारों से दूर रहने और स्थिति सामान्य होने तक मछली पकड़ने, नहाने, पशु चराने या नदी पार करने का प्रयास न करने का आग्रह किया है।

बिगड़ा रहेगा मौसम, तीन जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड में आज भी भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से नैनीताल, चंपावत और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि देहरादून, टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, हरिद्वार और बागेश्वर जिले के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दून समेत चार जिलों में कल स्कूल रहेंगे बंद

बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए रुद्रप्रयाग, हरिद्वार, देहरादून और टिहरी में जिला प्रशासन ने स्कूल बंद रखने के आदेश जारी किए किए। कल सभी आंगनबाड़ी केंद्र और कक्षा एक से 12 तक के स्कूल बंद रहेंगे।

मौसम का रेड व प्रशासन का हाई अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 20 जुलाई को रेड अलर्ट और 21 जुलाई को फिर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस अवधि में कई स्थानों पर भारी से अत्यंत भारी बारिश, जलभराव, भूस्खलन और नदी–नालों के जलस्तर में वृद्धि की आशंका जताई गई है। इसे देखते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में मौजूद रहकर लगातार स्थिति पर नजर रखें। भूस्खलन और जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी मशीनें, राहत एवं बचाव उपकरण, आवश्यक मानव संसाधन और अन्य संसाधनों की पहले से तैनाती की जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत आवश्यक कार्रवाई शुरू की जा सके।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा या अप्रिय घटना की सूचना तत्काल जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र (डीईओसी) को दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

- सिर्फ तलाक तलाक तलाक बोलने से अब नहीं होगा तलाक

भोपाल (एजेंसी)। जगदीशपुर में आयोजित मोहन कैबिनेट की मीटिंग में कई ऐतिहासिक और अहम फैसले हुए हैं। कैबिनेट ने यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है। मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने बिल को मंजूरी देने के बाद इसकी महत्वपूर्ण बातों पर

चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों के लिए मध्य प्रदेश में सिर्फ एक ही शादी की इजाजत है।

एमपी में यूसीसी की अहम बातें

एक ही शादी को मंजूरी- यह कानून सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। शादी की उम्र कोई बदलाव नहीं- विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। तीन तलाक बोलकर तलाक नहीं- अब मौखिक तलाक और अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधार पर ही होगा। गर्भावस्था के आधार पर सामान अधिकार- अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए केरल में छुट्टी

- आज बंद रहेंगे स्कूल, छात्रों की मांग पर सरकार का फैसला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के कारण सोमवार को राज्य के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। शिक्षा विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि यह निर्णय उन छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद लिया गया जो फुटबॉल के प्रशंसक

हैं और रविवार रात होने वाला विश्व कप फाइनल देखना चाहते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अवकाश सामान्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों पर लागू होगा। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शमसुद्दीन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अवकाश की घोषणा की। मंत्री ने लिखा, 'बच्चों अब खुश हो।' उन्होंने कहा कि फुटबॉल प्रेमी छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए केरल सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के मद्देनजर सोमवार (20 जुलाई) को विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

वांगचुक की किडनी खराब हो सकती थी, उन्हें इलाज की जरूरत थी

दिल्ली हाईकोर्ट में बोली मोदी सरकार, प्राइवेट हॉस्पिटल भेजने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार की तरफ से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि, वांगचुक की तबियत लगातार खराब हो रही थी। उनकी किडनी भी खराब हो सकती थी। इसलिए इलाज जरूरी था। इस पर वांगचुक की पत्नी की तरफ से पेश एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि हमें यह भी नहीं पता कि उन्हें कौन-सी दवाएं या इलाज दिया जा रहा है। हम चाहते हैं कि उन्हें

अस्पताल से छुट्टी दी जाए। हमने उन्हें वेदांता अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था भी कर ली है। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। रविवार को उनकी भूख हड़ताल का 22वां दिन रहा। उन्होंने ड्रिप, ओआरएस और दवा लेने से इनकार कर दिया है। सीजेपी और वांगचुक 28 जून से नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

वांगचुक को उठाने के लिए देर रात आदेश मिला था

दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1.30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की। जैमर लगाने पर भी चर्चा हुई, ताकि कार्रवाई के वीडियो न फैलें। सुबह 5 बजे अधिकारी जंतर–मंतर पहुंचें। वहां अंतिम ब्रीफिंग दी। फिर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी सफेद चादरें लेकर मंच पर चढ़ गए। कार्रवाई की वीडियोग्राफी से बचने के लिए चादरों का इस्तेमाल किया गया। बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने रविवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह परीक्षाओं के आयोजन में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करे और संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराई जाए। दिल्ली के जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन का हवाला देते हुए, पटनायक ने कहा कि छात्रों को अपनी चिंताओं को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त करने के लिए एक मंच दिया जाना चाहिए।

मानसून सत्र से पहले तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक

40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले-सबने अपनी बात रखी

रिजीजू ने बताया, आज वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

विपक्ष के सवाल; महुआ बोलीं- बागी सांसद यहां क्यों

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर–मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल गांधी ने मोदी को लिखी चिट्ठी

कहा-आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं, ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की।

संघ और विहिप ने 23 जुलाई को संतों का सम्मेलन बुलाया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 23 जुलाई को अयोध्या की मणिराम छावनी में संतों का सम्मेलन बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के स्वयंसेवक और वीएचपी के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिममीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट में जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव जैसे अधिकारी शामिल थे।

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

● माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे ● 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही।

सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल

अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्क बन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था। दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33 फीसदी ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलीकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से अधिकांश के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

अखबार ने दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भेंट कर उत्तराखण्ड की ऊर्जा आवश्यकताओं, जल विद्युत परियोजनाओं, पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (इएरर) तथा पिटकुल की एडीबी सहायतित पारेषण परियोजना सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने राज्य की विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर केंद्रीय पूल से अतिरिक्त विद्युत उपलब्ध कराने में दिए जा रहे सहयोग के लिए केंद्रीय विद्युत मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमानों के अनुसार एल-नीनो की संभावित परिस्थितियों, वर्षा में कमी तथा जलाशयों में कम जलागम के कारण आगामी महीनों में जल विद्युत उत्पादन प्रभावित हो सकता है। वहीं चारधाम यात्रा एवं आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान विद्युत मांग में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री ने जुलाई 2026 की शेष अवधि के

लिए 150 मेगावाट तथा अगस्त 2026 के लिए 200 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत केंद्रीय पूल से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड को पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर जल विद्युत परियोजनाओं के लिए विशेष वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री ने राज्य में लगभग 10 गीगावाट पम्प्ड स्टोरेज क्षमता के विकास के लिए आगामी पांच वर्षों में 7,800 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता अथवा वायबिलिटी गैप फंडिंग (शॅ) उपलब्ध कराने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं और ग्रिड स्थिरता को देखते हुए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (इएरर) की स्वीकृत क्षमता 500 मेगावाट आवर से बढ़ाकर 665 मेगावाट आवर किए जाने तथा उसके अनुरूप वायबिलिटी गैप फंडिंग उपलब्ध कराने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री ने बैठक में पिटकुल की 3,638.26 करोड़ रुपये (वर $425.78 मिलियन) लागत वाली एडीबी सहायतित पारेषण परियोजना के विषय पर भी चर्चा की। उन्होंने अनुरोध किया कि इस परियोजना के लिए मूल 80:20 एडीबी ऋण एवं राज्यांश की वित्तीय व्यवस्था को यथावत रखा जाए। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत 2,910.61 करोड़ रुपये (वर $340.62 मिलियन) का एडीबी ऋण प्रस्तावित है,

दो गुटों में बंटी पालिका बोर्ड बैठक में घमासान

नैनीताल। नगर पालिका बोर्ड की बहुप्रतीक्षित बैठक में शनिवार को पालिकाध्यक्ष की मौजूदगी में सभासदों, अधिशासी अधिकारी के बीच घमासान छिड़ गया। गहमागहमी के बीच बैठक बेनतीजा समाप्त हो गई। चर्चित लेक ब्रिज चुंगी ठेके को लेकर पालिका सभागार में हुई बैठक शुरुआत में ही बोर्ड के दो धड़ों में बंटी नजर आई। लेक ब्रिज ठेका होने के पक्ष में पालिकाध्यक्ष के साथ छह सभासद नजर आए जबकि आठ सभासद दूसरे पक्ष के साथ नजर आए। बैठक में सवालों का संतोषजनक उत्तर न मिलने पर नाराज सभासद अपनी कुर्सियों से उठकर डाइस के पास जमीन पर बैठ गए और नारेबाजी की।

दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुई बोर्ड बैठक की शुरूआत में ही सभासद मुकेश जोशी ने वार्ड में धनराशि आवंटन पर पालिकाध्यक्ष की शक्तियों पर सवाल किया और ईओ के जवाब से असंतुष्ट होने पर वह वहां से चले गए। सभासद जीतेंद्र पांडे ने बोर्ड की अनुमति बगैर लेक ब्रिज ठेका, निविदा शर्तों में दोपहिया शुल्क को शामिल करने, शर्तों में बदलाव पर सवाल किया। अंकित चंद्रा ने सभासदों को चार-चार सफाई कर्मी न देने पर सवाल किया तो रमेश प्रसाद ने रिकार्ड लिपिक पर उन्हें रिकॉर्ड रूम से जानकारी न देने और संबंधित से एक हजार रुपये लेकर जानकारी देने की बात रखी। पालिकाध्यक्ष ने शर्तों को बदलने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। इधर, जीतेंद्र पांडे, सुरेंद्र कुमार आदि के अधिकारियों पर अनदेखी के आरोप व अन्य दोषारोपण पर ईओ रोहिताश शर्मा भड़क गए। उन्होंने सभासदों पर आरोप लगाया कि यहां के सभासद स्वयं दलाली कर रहे हैं। कभी आरटीआई तो कभी अन्य मौके पर निजी जुगाड़ में जुट जाते हैं।

एक नजर

आठ महीने पुराना ई-स्कूटर बेचने पर डीलर और कंपनी पर जुर्माना

नैनीताल। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने ई-स्कूटर में आठ महीने पुरानी बैटरी लगाकर बेचने के आरोपी डीलर और निर्माता कंपनी को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। आयोग ने दोनों पक्षों को उपभोक्ता को बैटरी की वर्तमान बाजार कीमत का आधा मूल्य लौटाने, 20 हजार रुपये क्षतिपूर्ति और दस हजार रुपये वाद व्यय देने के निर्देश दिए हैं।

आयोग के अध्यक्ष रमेश कुमार जायसवाल एवं सदस्य लक्ष्मण सिंह रावत की पीठ ने मामले की सुनवाई हुई। आयोग कहा कि निर्धारित अवधि में आदेश का अनुपालन नहीं होने पर वसूली और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। हल्द्वानी निवासी श्रेया अग्रवाल, प्रोपराइटर मैसर्स भगवती ट्रेडर्स ने 22 जून 2022 को हल्द्वानी स्थित बेतिया ट्रेडर्स से 65,400 रुपये में निस्को इलेक्ट्रा कंपनी का ई-स्कूटर खरीदा। करीब चार महीने बाद ही स्कूटर में बैटरी की खराबी, लो पिकअप और चार्जिंग संबंधी समस्याएं आने लगीं। कई बार वाहन टो कराकर घर लाना पड़ा। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि स्कूटर में लगी लेड-एसिड बैटरी अक्टूबर 2021 में निर्मित थी जबकि वाहन जून 2022 में बेचा गया। बिक्री के समय बैटरी करीब आठ महीने पुरानी थी।

शीला माउंट और ओल्ड किलर्स एफसी जीते

नैनीताल। जिला खेल संघ (डीएसए) के सहयोग से मल्लीताल खेल मैदान पर आयोजित प्रतिष्ठित 103वीं लैंडो लीग फुटबाल प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबलों का दौर जारी है। प्रतियोगिता के पहले मैच में शीला माउंट एफसी का सामना एफएफसी से हुआ। एकतरफा मुकाबले में शीला माउंट एफसी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए एफएफसी को 4-0 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। वहीं दूसरा मुकाबला ओल्ड किलर्स एफसी और नैनीताल वेट्रेंस के बीच खेला गया जो बेहद कांटे का रहा। इस रोमांचक मैच में ओल्ड किलर्स एफसी ने नैनीताल वेट्रेंस को 3-2 से हरा दिया। ओल्ड किलर्स की ओर से लवलेश ने शानदार दो गोल और बृजेश ने एक गोल दागा। जवाब में नैनीताल वेट्रेंस के सनी साह और दिव्यांशु ने एक-एक गोल कर टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की लेकिन जीत हासिल नहीं हो सकी।

नरेश पांडे कोर्ट तलब, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल

नैनीताल। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) और प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर तोमर की अदालत से भवाली के व्यापारी नेता नरेश पांडे को शनिवार को जेल से कोर्ट तलब किया गया और फिर उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पहले एक युवती की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में न्यायिक हिरासत में जेल भेजे जा चुके नरेश पांडे को अब दूसरी शिकायतकर्ता के मामले में भी न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पूर्व में एक युवती की शिकायत पर नरेश पांडे के खिलाफ यौन शोषण समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज हुई थी जिसमें वह पहले से न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। बीते दिनों दूसरी पीड़िता की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में भी शनिवार को अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिए।

आईसीएआर का स्थापना दिवस मनाया

भीमताल (नैनीताल)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस पर केंद्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान भीमताल में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह का कार्यक्रम देखा गया। समारोह में केंद्रीय कृषि एवं कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट शामिल रहे। डॉ. एमएल जाट ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आईसीएआर की प्रमुख उपलब्धियों, वर्तमान और कृषि अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी आधारित कृषि विकास को गति देने के लिए भविष्य की रणनीतिक प्राथमिकताओं से अवगत कराया। मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आईसीएआर की ओर से कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन के विकास में अनुसंधान और नवाचार की भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम में आईसीएआर की ओर से ओवाक्व नामक प्रेरित प्रजनन एजेंट का आधिकारिक विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सतर्क रहने के दिए निर्देश

देहरादून। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही भारी वर्षा को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्धन और सचिव आपदा प्रबंधन श्री विनोद कुमार सुमन को पूरी स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि जहां कहीं भी भारी बारिश, भूस्खलन या सड़क बंद होने जैसी स्थिति उत्पन्न हो, वहां प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे। राहत एवं बचाव दल पूरी तरह तैयार रहें और प्रभावित लोगों को समय पर हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क, बिजली, पेयजल और संचार जैसी आवश्यक सेवाएं बाधित होने पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया जाए। चारधाम यात्रा मार्ग सहित सभी प्रमुख मार्गों की स्थिति पर भी लगातार नजर रखी जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सचिव आपदा प्रबंधन ने की स्थिति की समीक्षा

देहरादून। प्रदेश में लगातार सक्रिय मानसून तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा कुछ जनपदों के लिए 20 जुलाई को रेड तथा ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के उपरांत माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन से प्रदेशभर में स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों एवं जनपदों को पूर्ण सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने रविवार को राज्य आपातकालीन परिचालन केन्द्र पहुंचकर प्रदेशभर बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मौसम पूर्वानुमान, संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति, सड़क संपर्क, नदियों के जलस्तर, राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता तथा विभिन्न विभागों की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 20 जुलाई 2026 को देहरादून, टिहरी गढ़वाल एवं हरिद्वार जनपदों में रेड अलर्ट, उत्तरकाशी, नैनीताल, चम्पावत, पौड़ी एवं उधम सिंह नगर में ऑरेंज अलर्ट, जबकि रुद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ में येलो अलर्ट जारी किया गया है। रेड अलर्ट वाले क्षेत्रों में कहीं-कहीं अत्यधिक से बहुत भारी वर्षा,

भूस्खलन, जलभराव, अचानक बाढ़ जैसी परिस्थितियां तथा नदी-नालों के जलस्तर में तेजी से वृद्धि की संभावना जताई गई है।

सचिव आपदा प्रबंधन ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि मौसम विभाग द्वारा जारी प्रत्येक चेतावनी पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला एवं तहसील स्तर के आपदा नियंत्रण कक्षों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव दल बिना विलंब मौके पर पहुंचें।

उन्होंने कहा कि नदियों, बरसाती नालों, गाड़-गदेरों तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखी जाए। जोखिम वाले स्थानों पर रहने वाले परिवारों को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाए। निर्माणाधीन परियोजनाओं, सड़क निर्माण कार्यों तथा अन्य संवेदनशील स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खराब मौसम के दौरान आवश्यकतानुसार कार्य स्थगित करने के निर्देश भी दिए गए।

सचिव ने लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई, बीआरओ तथा अन्य कार्यदायी संस्थाओं को ग्रामीण एवं राष्ट्रीय राजमार्गों सहित सभी महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर सुचारू रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील मार्गों पर जेसीबी, पोकलेन मशीनें, डंपर, आवश्यक उपकरण एवं प्रशिक्षित मानव बल की अग्रिम तैनाती सुनिश्चित करने को कहा, ताकि मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने जल संस्थान, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पुलिस, एसडीआरएफ, अग्निशमन तथा अन्य संबंधित विभागों को भी पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल, विद्युत, संचार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी व्यवधान की स्थिति में त्वरित बहाली की जाए।

बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) एवं डीआईजी श्री राजकुमार नेगी, डॉ. शांतनु सरकार, डॉ. मोहित पूनिया, सभी जनपदों के ओसी आपदा तथा जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी (उ्व्टड) वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

प्रदेशवासियों से सतर्कता बरतने की अपील

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट को गंभीरता से लें तथा खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें। विशेषकर नदी-नालों, गाड़-गदेरों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों एवं जलभराव वाले स्थानों से दूर रहें।

किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन, जिला आपदा नियंत्रण कक्ष अथवा आपातकालीन सेवाओं से संपर्क करें तथा केवल शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

बदरीनाथ में चढ़ावा हेराफेरीः अब 'कुबेर का खजाना' खंगालेगी पुलिस

चमोली। बदरीनाथ धाम में थाली भेंट की गणना में वित्तीय अनियमितता सामने आने के बाद अब पुलिस जांच का दायरा बढ़ाते हुए भगवान बदरीनाथ के "कुबेर के खजाने" तक पहुंच गई है। पुलिस ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों का रिकॉर्ड तलब किया है। जांच में नकदी के साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोना, चांदी, हीरे, माणिक और अन्य बहुमूल्य आभूषणों का भी मिलान किया जाएगा।

मंदिर परिसर में स्थापित 26 दानपात्रों से प्राप्त नकदी और बहुमूल्य वस्तुओं की गणना के बाद उन्हें अलग-अलग सुरक्षित बॉक्स में रखकर अभिलेखों में दर्ज किया जाता है। इसे बदरीनाथ में कुबेर का खजाना कहा जाता है। इसी रिकॉर्ड की अब बारीकी से जांच होगी।

एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि पुलिस ने वित्तीय अभिलेखों के मिलान के लिए एक विशेषज्ञ लेखाकार भी बदरीनाथ भेजा है। वह मंदिर के खजाने में दर्ज नकदी, सोना, चांदी और अन्य बहुमूल्य सामग्री का रिकॉर्ड से मिलान करेगा।

पुलिस को नहीं मिली कस्टडी रिमांड

बदरीनाथ चढ़ावे की जांच में जुटी पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल को कस्टडी रिमांड में लेने के लिए न्यायालय को आवेदन किया था, मगर पुलिस को रिमांड नहीं मिल पाई है। पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने इसकी पुष्टि की है।

डामरीकरण की गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

भीमताल। ओखलकांडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मल्ला और तल्ला के जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने शहीद इंद्र सिंह बर्गली मोटर मार्ग पर डामरीकरण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए, बंद पड़े कलवर्टों को नहीं खोलने और जल निकासी के कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत करने के साथ जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि इसके चलते ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि डीएम भवाली लोनिवि के अधिकारियों से मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान पूर्व प्रधान खीम सिंह बिष्ट, सुनील कुमार, हरीश, घनश्याम बोरा आदि मौजूद रहे।

सीडीओ के औचक निरीक्षण में नदारद मिले 18 कर्मचारी

भीमताल(नैनीताल)। सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने शनिवार को विकास भवन भीमताल स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के 18 कार्मिक बिना पूर्व अवकाश स्वीकृत कराए अनुपस्थित पाए गए। गैरमौजूद मिले कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

निरीक्षण के दौरान लघु सिंचाई विभाग में उमेश कुमार, गौतम कुमार, बाल विकास विभाग में कृपाल सिंह राणा, वरुण कुमार, कैलाश बेलवाल, पंचायतीराज कार्यालय में प्रकाश चंद्र, रश्मि बाला, अल्प संख्यक विभाग कार्यालय में हेमा आर्य अनुपस्थित पाए गए। साथ ही समाज कल्याण विभाग में राहुल कुमार, अनुज कुमार, मंजू जोशी के उपस्थित होने पर भी रजिस्टर में इनके हस्ताक्षर नहीं पाए गए। मुख्य उद्यान अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान राहुल भट्ट, ज्ञानेंद्र पांडे, धर्मेंद्र सिंह, निर्मला भंडारी, युवा कल्याण विभाग में नवीन चंद्र, ललित कुमार, अश्विनी कुमार बिना अवकाश प्रार्थना पत्र के अनुपस्थित पाए गए। युवा कल्याण के नवीन चंद्र, ललित कुमार, अश्विनी कुमार के अनुपस्थित पाए गए इन सभी कार्मिकों का स्पष्टीकरण लिया गया है।

सीडीओ ने युवा कल्याण विभाग गेस्ट हाउस का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया गया।

रिश्वत मांगने वाला जालसाज सीबीआई के हत्थे चढ़ा

देहरादून। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने लोन स्वीकृत कराने के नाम पर रिश्वत वसूलने वाले एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रभु दयाल, उत्तर प्रदेश के आगरा जिले का निवासी है और खुद को नई दिल्ली स्थित पशुपालन एवं डेयरी विभाग का अधिकारी ह्यत्रऋषि गुप्ता बताकर लोगों से ठगी करता था। मामला उ्धमसिंह नगर जिले के काशीपुर निवासी शकील अहमद की शिकायत पर दर्ज किया गया। शकील ने एएचआईडीएफ योजना के तहत 22.50 लाख रुपये के लोन के लिए आवेदन किया था।

आरोप है कि लोन मंजूर कराने के बदले आरोपी ने दो प्रतिशत कमीशन के रूप में 45 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। सीबीआई ने 29 जून को जाल बिछाया, जिसके तहत आरोपी ने पहली किस्त के रूप में 5,000 रुपये एक क्यूआर कोड के जरिए मंगवाए। जांच में पता चला कि आरोपी दूसरों के बैंक खातों और फर्जी सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रकम हासिल करता था। उसके पास लोन के लिए आवेदन करने वाले कई लोगों का डेटा भी मिला, जिसके आधार पर वह लोगों को फोन कर लोन निरस्त होने का डर दिखाकर पैसे ऐंठता था। डिजिटल निगरानी और कॉल रिकॉर्ड की मदद से सीबीआई ने आरोपी को आगरा से गिरफ्तार कर उसके घर से कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं। मामले की जांच जारी है।

बॉलीवुड अभिनेत्री संगीता बिजलानी पहुंची मसूरी

देहरादून। बॉलीवुड अभिनेत्री संगीता बिजलानी ने पहाड़ों की रानी मसूरी की प्राकृतिक सुंदरता की जमकर सराहना की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देहरादून से मसूरी की यात्रा उनके लिए बेहद यादगार रही। ऐसा महसूस हो रहा था जैसे वह बादलों के ऊपर तैरते हुए मसूरी पहुंच रही हों।उन्होंने कहा कि अपने जीवन में इससे पहले इतनी खूबसूरत यात्रा कभी नहीं की। संगीता बिजलानी ने बताया कि वह पहली बार मसूरी आई हैं और यहां की वादियां, हरियाली और शांत वातावरण ने उन्हें बेहद प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि मसूरी वास्तव में बहुत सुंदर जगह है और यहां आकर उन्हें बेहद खुशी हुई। फिल्मों में वापसी के सवाल पर संगीता ने मुस्कुराते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कुछ सरप्राइज और कुछ रहस्य बने रहने चाहिए। अगर सब कुछ पहले से ही पता चल जाए तो जिंदगी बोरिंग हो जाती है। न्होंने मसूरी के माल रोड की भी तारीफ

करते हुए कहा कि यह बेहद खूबसूरत स्थान है। स्थानीय बेकरी के उत्पादों का स्वाद लेने के बाद उन्होंने कहा कि यहां के उत्पादों का स्वाद बहुत शानदार है। अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए संगीता बिजलानी ने कहा कि उन्हें हमेशा इसी तरह प्यार और स्नेह मिलता रहे। साथ ही उन्होंने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से अपील की कि मसूरी को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखें।

कोतवाली में भाजपा नेताओं से मारपीट

देहरादून। भाजपा से जुड़े दो युवकों के बीच हुए विवाद में समझौता कराने कोतवाली पहुंचे भाजपा के वर्तमान मंडल अध्यक्ष और पूर्व मंडल अध्यक्ष ने कोतवाल पर थप्पड़ मारने और अभद्र व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भी मामला चर्चा का विषय बन गया है।

जानकारी के अनुसार, भाजपा से जुड़े दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। मामले की शिकायत पहले श्यामपुर चौकी पहुंची, लेकिन वहां समाधान नहीं होने पर दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया गया। बताया जा रहा है कि कोतवाली में दोनों पक्षों के बीच समझौते की बातचीत चल रही थी। इसी दौरान किसी बात पर माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि कोतवाल ने वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी।

भाजपा नरेंद्र नगर मंडल अध्यक्ष साकेत ने आरोप लगाया कि परिचय देने के बावजूद कोतवाल ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। उन्होंने बताया कि वह वर्तमान में नरेंद्र नगर पालिका के सभासद भी हैं।

पालिका को मिले 25 कर्मचारी, निकाय कार्यों को गति मिलेगी

नैनीताल। लेक ब्रिज और पार्किंग ठेके में कार्यरत करीब 25 निकाय कर्मचारियों की पालिका में वापसी से निकाय कार्यों को गति मिलेगी। बीते एक वर्ष से नगर पालिका के करीब 15 कर्मचारी लेक ब्रिज में जबकि सात पार्किंग समेत अन्य कार्यों में जुटे रहते थे। इनमें कर विभाग, स्वास्थ्य विभाग, एमई आदि के कर्मचारी शामिल थे। समूह की 30 महिलाएं भी इसमें सहयोग कर रही थीं। लेक ब्रिज व पार्किंग की निविदा के बाद पालिका को करीब 25 कर्मचारी वापस मिले हैं। पालिका को समूह की महिलाओं को भी मानदेय नहीं देना होगा। पालिकाध्यक्ष डॉ. सरस्वती खेतवाल का कहना है कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर पालिका कार्यों में तेजी लाएं।

नकारात्मक नैरेटिव से निपटेंगे दक्ष स्वयंसेवक

देहरादून,व्यक्तिगत स्तर पर परिवारों या समाज में घर-घर तक जुड़ाव रखने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक अब आपको सोशल मीडिया में भी सक्रिय नजर आएंगे। सोशल मीडिया में नकारात्मक नैरेटिव (प्रचार) के इस दौर से निपटने के लिए आरएसएस दक्ष स्वयंसेवक तैयार कर रहा है। इसके लिए देहरादून में कई स्तर के प्रशिक्षण हो भी चुके हैं। बीते कुछ वर्षों में सोशल मीडिया में नैरेटिव का दौर तेज हुआ है। हाल-फिलहाल में भी कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें संघ को लेकर भी तमाम तरह के नकारात्मक नैरेटिव सामने आ रहे हैं। लगातार बढ़ रही इस चुनौती से निपटने के लिए आरएसएस ने डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करने की कसरत तेज की है। संघ ने भी माना है कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रकार के प्रचार तेजी से फैलते हैं। इनमें कई प्रचार संघ और उसके विचारों के प्रति नकारात्मक होते हैं। इन नकारात्मक प्रचार का सामना करने के लिए विशेष रणनीति की आवश्यकता है। लिहाजा, संघ के स्वयंसेवकों को इसके लिए गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वे तथ्यों और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी बात रखेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पर्यटक स्थल की घोषणा से बौख टिब्बा को मिलेगी नई पहचान

नौगांव (उत्तरकाशी)। समुद्र तल से तीन हजार मीटर की उंचाई पर स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर बौख टिब्बा को अब नई पहचान मिलने की उम्मीद जगी है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बौखटिब्बा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की जिससे क्षेत्र के लोगों में खुशी है। बौख टिब्बा के नाम को पर्यटन के मानचित्र पर दर्ज करने और बौख टिब्बा को जोड़ने वाले ट्रैक को सालों से विकसित करने की मांग उठ रही थी।

सिलक्यारा टनल हादसे के दौरान इस स्थान की अंतरराष्ट्रीय स्तर तक चर्चा हुई थी। बौख टिब्बा ट्रैकिंग और धार्मिक पर्यटन की बेहतरीन संभावनाएं है। बाबा बौखनाग देव समिति के अनुरोध पर पर्यटन मंत्री महाराज ने बौख टिब्बा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट के व्यक्तिगत निमंत्रण पर बाबा बौखनाग की देव डोली 17 जुलाई को उनके निजी आवास देहरादून पहुंची थी। वहां देव डोली के दर्शन करने पहुंचे प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने देव समिति के ज्ञापन पर बौख टिब्बा को पर्यटक स्थल बनाने की घोषणा की है। पर्यटन मानचित्र पर नाम न होने से बौखटिब्बा पर्यटकों की दृष्टि से ओझल था जिसे अब नई पहचान मिलने की उम्मीद जगी है। बाबा बौखनाग के देव माली संजय डिमरी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर पर्यटन मंत्री की घोषणा को साझा किया है।

धरासू–जोगत मोटर मार्ग पर तुल्याड़ा भूस्खलन जोन से खतरा

उत्तरकाशी। धरासू–जोगत मोटर मार्ग पर तुल्याड़ा गांव के समीप पिराड़ा क्षेत्र में वर्षों से सक्रिय भूस्खलन एवं डेंजर जोन ग्रामीणों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। हर दिन लोग वहां पर जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं लेकिन कई बार शासन–प्रशासन से पत्राचार के बाद भी वहां पर मरम्मतीकरण और सुरक्षात्मक कार्य नहीं हो पा रहा है।

कनिष्ठ प्रमुख भानुप्रिया थपलियाल, हरीश थपलियाल, अनिल पंवार, विजयपाल परमार, राहुल रजवार, शुभम रावत का कहना है कि वर्षों से शासन–प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तुल्याड़ा के समीप मोटर पुल निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन इस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

पुल के निर्माण से भूस्खलन जोन से भी सुरक्षा हो जाएगी। आजकल बरसात में भूस्खलन और पत्थर गिरने से लोगों में हर समय दुर्घटना का डर बना है। भानुप्रिया थपलियाल ने कहा कि अगर जल्द ही तुल्याड़ा में मोटर पुल निर्माण की स्वीकृति और कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। गत सप्ताह वहां पर बोल्डर आने के कारण एक व्यक्ति खाई में गिरने से गंभीर घायल हो गया था।

राजकीय शिक्षक संघ के कोषाध्यक्ष बने डॉ. बद्री सेमवाल

उत्तरकाशी। राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रांतीय अधिवेशन में कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. बद्री प्रसाद सेमवाल की जीत के बाद उत्तरकाशी जनपद के शिक्षकों में खुशी का माहौल है। डॉ. सेमवाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को दो हजार से अधिक मतों के अंतर से पराजित किया। परिणाम घोषित होने के बाद जिले के शिक्षकों और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी और मिठाई बांटकर खुशी जताई।

देहरादून स्थित संस्कृत शिक्षा निदेशालय परिसर में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद उत्तरकाशी से पहुंचे शिक्षकों और समर्थकों ने डॉ. सेमवाल का स्वागत किया। जिले के विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने कहा कि डॉ. सेमवाल लंबे समय से शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों को संगठन के माध्यम से उठाते रहे हैं।

नौगांव में बदहाल हाईवे बना मुसीबत

नौगांव (उत्तरकाशी)। नगर क्षेत्र में यमुनोत्री हाईवे की बदहाल स्थिति लोगों के लिए रोजाना परेशानी का कारण बन गई है। घरों का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है जबकि जगह–जगह बने गहरे गड्ढे हल्की बारिश में ही तालाब बन रहे हैं। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है बल्कि स्कूली बच्चों, पैदल यात्रियों और स्थानीय व्यापारियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सौली कस्बे से मुख्य बाजार तक सड़क किनारे बनी नालियां कई स्थानों पर बंद पड़ी है। इससे घरों का गंदा पानी सीधे हाईवे पर बह रहा है। गड्ढों में जमा पानी से दुर्गंध फैल रही है और संक्रमण फैलने की आशंका भी बढ़ गई है।

व्यापारियों का कहना है कि सड़क की बदहाली से ग्राहक प्रभावित हो रहे हैं जबकि गुजरते वाहनों के छींटों से लोगों के कपड़े खराब होना आम बात बन गई है।

प्रीति, सोया, मोनिका, राहुल, विमलेश और नरेश सहित कई विद्यार्थियों का कहना है कि पैदल स्कूल पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। वहीं पानी से भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा न लग पाने से दुपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत और राजमार्ग निर्माण खंड पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लंबे समय से समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप कर नालियों की सफाई, जल निकासी की व्यवस्था और हाईवे की मरम्मत कराने की मांग की है।

बरसात में चुनौती बने गड्ढे, टूट रही कमर

कोटद्वार क्षेत्र बदहाल पड़ी घराट को जाने वाली सड़क

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहर में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां आपको गड्ढे न दिखाई दें। बदहाल पड़ी सड़कों पर आमजन का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। गड्ढों की चपेट में आने से वाहन चालकों की कमर टूट रही है। वर्षाकाल में बदहाल पड़ी सड़कें लगातार चुनौती बनती जा रही हैं। शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

घर-घर 24 घंटे जल पहुंचाने के लिए कुछ माह पूर्व शहर की सड़कों को खोदकर पेयजल लाइन को अंडरग्राउंड किया गया। अधिकांश वार्डों में कार्य तो पूर्ण हो चुका है। लेकिन, पेयजल लाइन बिछाने के बाद सड़क पर बेतरतीब तरीके से मलबा डालकर उसे बंद कर दिया गया है। नतीजा, जगह–जगह सड़क पर बदहाली देखने को मिल रही है। हल्की वर्षा होते ही सड़कें कीचड़ में तब्दील हो रही हैं। ऐसे में लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। साथ ही गड्ढों व कीचड़ के बीच गुजर रहे दोपहिया वाहनों के रपटने का भी खतरा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति मानपुर, सिताबपुर, लालपुर, कुंभीचौड़, गाड़ीघाट क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। भाबर क्षेत्र की सड़कों पर भी यही स्थिति बनी हुई है। लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में मिट्टी सूखने के बाद सड़क पर धूल का गुब्बार बना रहता है। साथ ही वर्षा होने पर कीचड़ व गंदा पानी भी लोगों के घरों में घुस रहा है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं करवाई गई तो पूरी वर्षा समस्या बनी रहेगी।

तालाब बन रही मोहल्लों की सड़क

संबंधित कार्यदायी संस्था की ओर से कई वार्डों में लापरवाही देखने को मिल रही है। गलियों की सड़कों में पानी की निकासी के लिए नाली तक का निर्माण नहीं किया गया है। ऐसे में हल्की वर्षा होते ही सड़कें पूरी तरह पानी से भर रही है। कई दिन तक पानी सड़कों पर नजर आ रहा है। जिससे लोगों को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि पूर्व में उनके वार्ड में पानी की निकासी की व्यवस्था की लेकिन, सड़क खोदने के बाद इसमें केवल सीमेंट भर दिया गया है। ऐसे में समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी का विरोध

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सोशल मीडिया पर महिलाओं के लिए की गई अभद्र टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि एक व्यक्ति की ओर से महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है।

इस संबंध में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शशीबाला केष्टवाल सहित अन्य महिलाओं ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। बताया कि फेसबुक पर एक व्यक्ति की ओर से महिलाओं के लिए गलत भाषा का प्रयोग किया गया है। जिससे महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। यही नहीं समझाने के बाद भी व्यक्ति ने इस पोस्ट को अपने अकाउंट से नहीं हटाया। कहा कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस मौके पर साधना देवी, लक्ष्मी रावत, यशोदा नेगी, अनीता जखमोला, ममता कठारिया, स्वाती, किरन डोबरियाल, अनीता जखमोला, आशा ध्यानी आदि मौजूद रहे।

कार खाई में गिरी, 95 वर्षीय महिला की मौत, चार घायल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः हिंडोलाखाल-दुरोगी मोटर मार्ग पर छाम बैंड के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। परिवार के साथ हिंडोलाखाल से दुरोगी गांव जा रही एक कार अनियंत्रित होकर लगभग 30 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार 95 वर्षीय रामी देवी, पत्नी स्वर्गीय हरि सिंह, की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार से चीख-पुकार सुनकर दुरोगी ग्राम प्रधान जगत सिंह, सुनील चौहान, बबलू प्रधान, विनय सिंह, रणवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद सभी घायलों को खाई से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हिंडोलाखाल पहुंचाया। सीएचसी हिंडोलाखाल में

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेस अस्पताल श्रीनगर रेफर कर दिया। इसी दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य अरविंद सजवाण ने प्रशासन से समन्वय स्थापित कर घायलों को बेहतर उपचार के लिए सीधे एम्स ऋषिकेश भेजने की व्यवस्था कराई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने समय पर राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पनियाली गदेरे का बहाव सुधारने में जुटा सिंचाई विभाग, अतिक्रमण बना बड़ी चुनौती

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सिंचाई विभाग ने पनियाली गदेरे के बहाव को व्यवस्थित करने की कवायद शुरू कर दी है। विभाग जेसीबी की मदद से गदेरे के तल को गहरा कर रहा है, ताकि बरसात के दौरान पानी आबादी क्षेत्र में जाने के बजाय सीधे खोह नदी में समा सके।

घाड़ क्षेत्र के जंगलों से निकलने वाला पनियाली गदेरा करीब तीन किलोमीटर तक शहर के बीचोंबीच होकर गुजरता है। हर साल बरसात में गदेरे का तेज बहाव आसपास के इलाकों के लिए परेशानी का कारण बनता है। कई बार इसका पानी आबादी क्षेत्र तक पहुंचने से नुकसान भी हो चुका है। विभाग की ओर से किए जा रहे कार्य से जहां राहत की उम्मीद जगी है, वहीं स्थानीय लोगों ने स्थायी समाधान की मांग उठाई है।

लोगों का कहना है कि अतिक्रमण के कारण गदेरे का स्वरूप लगातार बिगड़ रहा है और इसकी चौड़ाई कम होती जा रही है। सिंचाई विभाग की ओर से समय-समय पर नोटिस जारी किए जाते हैं, लेकिन अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। स्थानीय लोगों का कहना है कि गदेरे की सफाई और गहरीकरण के साथ–साथ अतिक्रमण हटाना भी जरूरी है। जब तक पनियाली गदेरे को उसके पुराने स्वरूप में नहीं लाया जाता, तब तक बरसात के दौरान खतरा पूरी तरह टलना मुश्किल है।

जेसीबी से पनियाली गदेरे के बहाव को बेहतर बनाता सिंचाई विभाग

कोटद्वार बेस चिकित्सालय में शुरू होगा मैमोग्राफी जांच केंद्र, महिला टेक्नीशियन तैनात

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान के लिए कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में स्थापित मैमोग्राफी मशीन के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। चिकित्सालय में महिला टेक्नीशियन की तैनाती कर दी गई है, जिससे अब महिलाओं को स्तन कैंसर की जांच की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी।

स्तन कैंसर वर्तमान समय में महिलाओं में तेजी से बढ़ती गंभीर बीमारियों में शामिल है। समय पर बीमारी की पहचान न होने के कारण कई मामलों में उपचार में देरी हो जाती है। बड़े शहरों में जांच की सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन छोटे शहरों में महिलाओं को अब तक इस सुविधा के लिए अन्य स्थानों का रुख करना पड़ता था। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की कोटद्वार इकाई की ओर से बेस चिकित्सालय में करोड़ों रुपये की लागत से मैमोग्राफी मशीन स्थापित की गई थी। रेडियोलाजी विभाग में मई माह में मशीन लगने के बाद भी टेक्नीशियन के अभाव में इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया था। अब महिला टेक्नीशियन की नियुक्ति होने के बाद मशीन के संचालन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बेस चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डा. विजय सिंह ने बताया कि टेक्नीशियन की तैनाती के बाद महिलाओं को स्तन कैंसर की जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें चिकित्सालय में ही यह सुविधा उपलब्ध होगी।

कोटद्वार का राजकीय बेस चिकित्सालय

123 लाभार्थियों को मिला सरकारी योजनाओं का लाभ

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः प्रखंड एकेश्वर के सभागार में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में 123 लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। वहीं, दर्ज 54 शिकायतों में से 51 का मौके पर ही निस्तारण कर संबंधित विभागों ने राहत पहुंचाई।

शिविर का शुभारंभ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पं. राजेंद्र प्रसाद अण्थ्वाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। जनसेवा शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान हो रहा है। शिविर में बिजली, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और जंगली जानवरों से संबंधित 54 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 51 का मौके पर ही समाधान किया गया। इसके अलावा विभिन्न विभागों ने 123 पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया। कृषि विभाग ने छह किसानों को पौधे, उर्वरक और कृषि यंत्र वितरित किए, जबकि उद्यान विभाग ने 13 किसानों को सब्जियों के बीज उपलब्ध कराए। रीप और एनआरएलएम ने 10-10 लाभार्थियों को उत्पादन एवं विपणन संबंधी सहायता दी। बाल विकास विभाग ने तीन महिलाओं को महालक्ष्मी किट वितरित कीं। स्वास्थ्य विभाग ने 35 तथा आयुष विभाग ने 36 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां दीं।

आदित्य ने जीता बैडमिंटन टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच

उत्तरकाशी। स्व. सौरभ भट्ट की जयंती पर सौरभ फाउंडेशन की ओर से आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। शहर के केदार मार्ग स्थित बैडमिंटन हॉल में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिकाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है और इस तरह की प्रतियोगिताएं प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच प्रदान करती है। उद्घाटन मैच आदित्य राणा के नाम रहा।

अंडर–15 वर्ग के उद्घाटन मुकाबले में आदित्य राणा और गौतम के बीच रोमांचक संघर्ष देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया लेकिन अंततः आदित्य राणा ने 21म18 के स्कोर से जीत दर्ज कर प्रतियोगिता का विजयी आगाज किया। दर्शकों ने मुकाबले का भरपूर आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सभासद महावीर चौहान, बैडमिंटन एसोसिएशन के सदस्य दिनेश व्यास और संतोष सकलानी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में खेल भावना विकसित करने के साथ–साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत करते हैं।

विरमोली-चाक्यूसैण-सिमल्या मार्ग बना खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बरसात में विरमोली-चाक्यूसैण-सिमल्या मोटर मार्ग की बदहाली राहगीरों के लिए खतरा बनी हुई है। सफर के दौरान हर समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। कई स्थानों पर सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है, जबकि पहाड़ी से गिर रहे बोल्डर वाहन चालकों के लिए, परेशानी का कारण बने हुए हैं। विरमोली-सिमल्या-हिलोगी डोबर मोटर मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण आवाजाही करते हैं। लेकिन, लंबे समय से मरम्मत के अभाव में मार्ग जगह–जगह गड्ढों में तब्दील हो चुका है। कई हिस्सों में सड़क धंसने के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग की स्थिति सुधारने को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्राम प्रधान हिलोगी विजय रावत, नरेंद्र सिंह, सूरज डोबरियाल और मनोज सिंह ने कहा कि बरसात के दौरान मार्ग पर आवागमन करना जोखिम भरा हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही के कारण ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है और प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है।

बदहाल पड़ा विरमोली- चाक्यूसैण-सिमल्या मार्ग

विधायक ने मांगा एक माह का समय, ग्रामीण आंदोलन पर अड़े

चोपता। तल्ला नागपुर क्षेत्र की लंबित चार सूत्री मांगों के लिए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। क्षेत्र के विकास को लेकर शासन–प्रशासन के ढुलमुल रवैये से नाराज ग्रामीणों को मनाने के लिए केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल भी पहुंचीं। उन्होंने एक माह का समय मांगा लेकिन ग्रामीण नहीं माने। जनप्रतिनिधियों ने साफ कहा कि तल्ला नागपुर को अब तक केवल झूठे आश्वासन देकर छला गया है। इसलिए जब तक धरातल पर काम शुरू नहीं होता तब तक 22 जुलाई से प्रस्तावित क्षेत्रीय आंदोलन को किसी भी हाल में स्थगित नहीं किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्र में पॉलिटेक्निक भवन निर्माण, पेयजल व पार्किंग निर्माण आदि की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में गत माह स्थानीय लोगों की बैठक हुई थी जिसमें प्रशासन को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था। इसी सिलसिले में केदारनाथ विधायक ने चोपता में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ वार्ता की। इस दौरान अधिकारियों के ढुलमुल रवैये पर लोगों ने आक्रोश जताया। माहौल बिगड़ता देख विधायक ने जनता से शासन स्तर पर पैरवी के लिए एक महीने का वक्त मांगा और अधिकारियों को इस अवधि में हर हाल में कार्य शुरू करने के कड़े निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जनता से 22 जुलाई से प्रस्तावित आंदोलन को टालने की अपील की मगर जनप्रतिनिधि आंदोलन पर अड़े रहे। जिला पंचायत सदस्य संग्राम नेगी ने कहा कि क्षेत्र की जनता अब किसी खोखले आश्वासन के झांसे में नहीं आएगी। इस दौरान प्रधान दलेब सिंह सजवाण, साधना देवी, उत्तम रावत, सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मण बर्त्वाल, गजेंद्र सिंह करासी, चंदन लाल शाह, अवतार सिंह रावत, लक्ष्मण राणा, राकेश चंद्र, योगंबर कुनियाल और भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्जुन सिंह नेगी आदि उपस्थित रहे।

सगरूड़ी मोड़ पर हादसा, पिकअप वाहन खाई में गिरा तीन लोग घायल

रुद्रप्रयाग जनपद के खाकरा–बाड़ा मोलखा खाल मोटर मार्ग पर सगरूड़ी मोड़ पर रविवार को एक पिकअप वाहन 150 मीटर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में चालक सहित तीन लोग घायल हो गए। इस दौरान एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीण हयात सिंह नेगी ने बताया कि ग्रामीण वाहन में भैंस को लेकर आ रहे थे। उन्होंने बताया घायलों को स्थानीय लोगों के माध्यम से बेस चिकित्सालय श्रीकोट पहुंचाया गया। घायलों में चालक विक्रम सिंह(53) निवासी ग्वाड़ थापली रुद्रप्रयाग भुवेंद्र(45), सावित्री देव(30) निवासी सगरूड़ी गांव के है। चिकित्सकों के अनुसार घायल खतरे से बाहर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क की बदहाली की शिकायत सीएम पोर्टल पर की गई थी। इस सड़क का निरीक्षण करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी यहां पहुंचे थे और उन्हीं के सामने यह हादसा हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों से सड़क की मरम्मत, डामरीकरण, नालियों और सुरक्षा बैरियर की मांग अनसुनी की जा रही है।

संपादकीय

मातृशक्ति पर अभद्र टिप्पणी

राजनीति का स्तर कई स्तर पर खंडित होता नजर आया है लेकिन जब किसी प्रदर्शन को लेकर मातृशक्ति पर ही अभद्र टिप्पणी की जाने लगे तो इस क्षमा नहीं किया जा सकता। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा द्वारा एक प्रदर्शन किया गया था जिस पर सोशल मीडिया में वैसे तो कई प्रकार की टिप्पणियां की गई लेकिन कुछ लोगों ने मर्यादा की सीमाएं ही पार कर दी। इस राजनीतिक घटनाक्रम ने एक बार फिर लोकतांत्रिक मर्यादाओं और सार्वजनिक संवाद की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए। किसी भी राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान समर्थन और विरोध दोनों स्वाभाविक हैं। लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि नागरिक अपनी बात रख सकते हैं लेकिन जब विरोध दर्ज कराने आई महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा या अपमानजनक टिप्पणियों का प्रयोग किया जाता है, तो यह केवल उन महिलाओं का नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान बन जाता है। अच्छी बात है कि प्रदेश भर में चाहे किसी भी राजनीतिक विचारधारा के लोग हो इस अभद्र टिप्पणी का विरोध किया गया है और बाद में मुकदमा भी दर्ज हुआ जिसमें आरोपी की गिरफ्तारी करते हुए उसे क्षमा भी मंगवागई। मातृशक्ति चाहे किसी भी राजनीतिक दल, विचारधारा या संगठन से जुड़ी हों, उन्हें सम्मानजनक व्यवहार मिलना चाहिए। राजनीतिक मतभेदों का जवाब तर्क और संवाद से दिया जाना चाहिए, न कि अपमानजनक शब्दों से। यदि कोई महिला प्रदर्शनकारी किसी नेता का विरोध कर रही है, तो वह अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग कर रही है। उसी प्रकार यदि कोई महिला किसी नेता का समर्थन कर रही है, तब भी उसके सम्मान की रक्षा समाज और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। इस बात को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं किया जा सकता कि केवल राजनीतिक पार्टी देखकर महिलाओं पर टिप्पणी की जाए, आलोचना करनी है तो वह भी मर्यादित होनी चाहिए। ऐसी मानसिकता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इससे राजनीति में महिलाओं की भागीदारी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाओं को अपमानित किया जाता है, तो समाज में यह संदेश जाता है कि राजनीतिक असहमति व्यक्त करने की कीमत उन्हें व्यक्तिगत अपमान के रूप में चुकानी पड़ सकती है। उत्तराखंड की महिलाओं ने राज्य आंदोलन से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक अनेक संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे राज्य में महिलाओं के प्रति असम्मानजनक व्यवहार किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयमित भाषा और लोकतांत्रिक आचरण का प्रशिक्षण दें। चुनावी प्रतिस्पर्धा और वैचारिक संघर्ष अपनी जगह हैं, लेकिन महिलाओं की गरिमा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार और मर्यादा का पालन करना केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व भी है। लोकतंत्र की असली ताकत विरोधी विचारों को सुनने और उनका सम्मान करने में है। महिला प्रदर्शनकारियों पर अभद्र टिप्पणी चाहे किसी भी पक्ष से आई हो, उसकी निंदा होनी चाहिए। स्वस्थ राजनीति और सभ्य समाजम इस प्रकार की असभ्य बातें सहन नहीं की जा सकती। सुखद पहलू यह है कि एक दल के समर्थन में महिलाओं को निशाना बनाकर की गई टिप्पणी का हर वर्ग और हर राजनीतिक दल के समर्थकों द्वारा विरोध किया गया है।

ज़िंदगी और कूटनीतिः शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है

दिलीप कुमार पाठक

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानती है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले हमारे पुरखे इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरूआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बॉस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आप जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बबार्दी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुबार्नी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आजाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इंसानों से कहीं ज्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं। लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर हमें अपनी नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने की जरूरत है, ताकि बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकलकर असल जिंदगी की उलझनों को धैर्य से सुलझाना सीखें। आखिर जिंदगी भी तो चौंसठ खानों का एक खूबसूरत खेल है, जहाँ हमारा हर एक फैसला आगे का रास्ता तय करता है।

(लेखक पत्रकार हैं)

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

सोनम लववंशी

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-फ्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वारंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है।

जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ी कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अल्फांसो उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विडंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है।

चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देतीं? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देंगी, तो मेड इन इंडिया की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था को जीरो एरर की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार सस्ता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समय आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिसलती चली जाएंगी।

(स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी)

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह

संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

सर्वदलीय बैठक से शुरू हुआ राजनीतिक संग्राम,महत्त्वपूर्ण विधेयकों,संवैधानिक विमर्श, परिसीमन,महिला आरक्षण, भ्रष्टाचार और जनसरोकारों के मुद्दों पर सत्ताझविपक्ष की निर्णायक परीक्षा...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है ।संविधान निमार्ताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद, जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया ।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है ।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है ।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है ।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है ।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है ।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है ।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मयार्दाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है ।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरूआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है ।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है ।विपक्ष ने इसे संसदीय मयार्दाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है ।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है ।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं ।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है ।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं ।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है ।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है ।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है ।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है ।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है ।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है ।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है ।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है ।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में परिवर्तन की संभावना है ।दक्षिण भारत के अनेक राज्यों और क्षेत्रीय दलों ने पहले ही आशंका व्यक्त की है कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने वाले राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर नुकसान उठाना पड़ सकता है ।दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्य समान जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए परिसीमन केवल चुनावी गणित का विषय नहीं, बल्कि संघीय ढाँचे,क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय राजनीतिक संरचना से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन गया है ।मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति भी लगभग स्पष्ट दिखाई दे रही है ।विपक्ष संसद के भीतर सरकार को भ्रष्टाचार,बेरोजगारी, महँगाई,कृषि संकट,राज्यों के अधिकार,संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता,जाँच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग,दल-बदल, सामाजिक न्याय तथा महिला आरक्षण के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर घेरने की तैयारी में है। इसके अतिरिक्त लद्दाख को संवैधानिक संरक्षण,छठी अनुसूची के प्रावधानों तथा पर्यावरणीय संरक्षण की माँग को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा चलाए गए आंदोलन को भी विपक्ष राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाने का प्रयास करेगा ।सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जनप्रतिनिधित्व अब केवल क्षेत्रीय मुद्दे नहीं,बल्कि राष्ट्रीय नीति के अभिन्न अंग बन चुके हैं ।भ्रष्टाचार का प्रश्न भी इस सत्र में प्रमुखता से उठ सकता है ।विपक्ष विभिन्न सरकारी निर्णयों, सार्वजनिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा राजनीतिक जवाबदेही को लेकर सरकार से प्रश्न पूछने की तैयारी में है ।वहीं सरकार डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,सरकारी खरीद की ई-प्रणाली, जीएसटी, डिजिटल प्रशासन तथा तकनीक आधारित पारदर्शिता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। स्वाभाविक है कि इस विषय पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है ।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है ।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जनादेश की रक्षा और संसदीय मयार्दाओं को सुरक्षित रखना है ।यदि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है ।यह भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है ।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है ।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाजी और स्थगन की भेंट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।

आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे। 20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिरोध तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है ।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए ।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है ।अंततः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है ।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा ।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज इष्टवाल की पुस्तक 'कण्वाश्रम' का विमोचन

जयन्त प्रतिनिधि, कोटद्वार: कोटद्वार में आयोजित एक भव्य सैनिक सम्मान समारोह के दौरान ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की एक अनूठी कृति का विमोचन किया गया। समारोह में प्रदेश की विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खण्डूड़ी,पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज, सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी और मेयर शैलेन्द्र रावत, लेफ्टिनेंट जनरल जे एस नेगी ने संयुक्त रूप से वरिष्ठ पत्रकार मनोज इष्टवाल द्वारा लिखित शोधपरक पुस्तक "कण्वाश्रम– भरत से भारतवर्ष" का विमोचन किया।

समारोह के दौरान मंच पर मौजूद अतिथियों ने लेखक मनोज इष्टवाल के प्रयासों की जमकर सराहना की। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि यह पुस्तक देश के गौरवशाली इतिहास को सामने लाने में एक मील का पत्थर साबित होगी। कण्वाश्रम का इतिहास हमारे देश की पहचान 'भारतवर्ष' से सीधा जुड़ा हुआ है, और इस शोधपरक कार्य से युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों को समझने का मौका मिलेगा।

लोकार्पण के दौरान पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा, "मनोज इष्टवाल जी ने इस शोध के माध्यम से हमारी आने वाली पीढ़ियों पर एक बड़ा उपकार किया है। कण्वाश्रम केवल उत्तराखंड की धरोहर नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की पहचान का उद्गम स्थल है। पर्यटन विभाग इस पुस्तक के साक्ष्यों के आधार पर कण्वाश्रम को एक वैश्विक सांस्कृतिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

विधानसभा अध्यक्ष और स्थानीय विधायक ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा कि कोटद्वार और कण्वाश्रम का यह गौरवशाली इतिहास हर उत्तराखंडी को गौरवान्वित करता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कण्वाश्रम के विकास और इसके ऐतिहासिक स्वरूप को पुनर्जीवित करने के लिए विधायी और धरातलीय स्तर पर हर संभव प्रयास किए जाएंगे। वरिष्ठ पत्रकार मनोज इष्टवाल की यह पुस्तक केवल एक ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह कण्वाश्रम के उस प्राचीन वैभव और इतिहास पर गहराई से प्रकाश डालती है, जहाँ चक्रवर्ती सम्राट भरत का जन्म हुआ था और जिनके नाम पर हमारे देश का नाम 'भारत' पड़ा। लेखक ने सालों के कड़े शोध और तथ्यों के आधार पर इस पुस्तक को तैयार किया है। इस विमोचन अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक और बुद्धिजीवी मौजूद रहे, जिन्होंने इस साहित्यिक योगदान को क्षेत्र के लिए एक बड़ा गौरव बताया।

वरिष्ठ पत्रकार मनोज इष्टवाल द्वारा लिखित यह पुस्तक केवल एक साहित्यिक कृति नहीं, बल्कि गहन शोध का परिणाम है। लेखक ने दशकों की मेहनत, प्राचीन ग्रंथों, पुरातात्विक साक्ष्यों और स्थानीय लोक कथाओं के आधार पर कण्वाश्रम के वैभव को उजागर किया है। पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि कैसे भरत की कहानी महाभारत काल से जुड़ी है और कैसे यह स्थल भारतवर्ष की सांस्कृतिक नींव बना।

फॉरेस्ट मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बने चंद्र प्रकाश

गोपेश्वर। उत्तरांचल फॉरेस्ट मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन की चमोली शाखा की नई कार्यकारिणी का रविवार को गठन किया गया जिसमें चंद्र प्रकाश सेमवाल को जिलाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन किया गया। रविवार को अलकनंदा वन प्रभाग के गोपेश्वर स्थित वन चेतना केंद्र में एसोसिएशन का जिला स्तरीय अधिवेशन आयोजित किया गया। वन क्षेत्राधिकारी ज्योतिर्मठ डब्बल सिंह खाती की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया पूर्ण की गई। पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन किया गय। इसमें अध्यक्ष पद पर चंद्र प्रकाश सेमवाल, उपाध्यक्ष पद पर सुमित बिष्ट, महामंत्री विपिन पंवार व कोषाध्यक्ष के पद पर संदीप कुमार का चयन किया गया। इस मौके पर वन बीट अधिकारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सचिन सिलोड़ी, अमित रावत सहित विभिन्न संवर्गों के 40 सदस्य मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पौधरोपण कर स्वच्छता अभियान चलाया

कर्णप्रयाग। हरेला पर्व के अवसर पर भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ, चमोली इकाई ने रविवार को गौचर बन्दरखण्ड में पौधारोपण और स्वच्छता अभियान चलाया। अलकनंदा नदी के तट पर स्थित शिवालय मंदिर परिसर में यह अभियान आयोजित किया गया। महिलाओं ने हरेला गीत गाकर पर्व मनाया। भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों ने पौधारोपण के लिए गड्ढे तैयार किए। वन विभाग ने पौधे उपलब्ध कराए जबकि उद्यान विभाग ने फलदार पौधों का वितरण किया। संघ के जिला अध्यक्ष दिगपाल गुसाईं ने लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई।

कर्णप्रयाग में लगा स्वास्थ्य शिविर

कर्णप्रयाग। सेवा, सुशासन एवं समर्पण संकल्प के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग में बहु–विशेषज्ञ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के पहले दिन 145 मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेकर निशुल्क उपचार व दवाओं का लाभ उठाया। शिविर में 72 मरीजों की हाइपरटेंशन व 41 की मधुमेह की जांच की गई। इसके अलावा 36 अल्ट्रासाउंड, 34 एक्स–रे और 86 लैब जांचें निशुल्क हुईं। शिविर में कैंसर व टीबी स्क्रीनिंग के साथ ही 10 आयुष्मान कार्ड व 9 आभा आईडी भी बनाई गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि यह शिविर 20 जुलाई को भी जारी रहेगा। इस दौरान डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. अंकित भट्ट, डॉ. उमा रानी शर्मा, डॉ. सीमा सिंह सहित कई विशेषज्ञों ने सेवाएं दीं। शिविर में सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित आदि मौजूद रहे।

व्यापारी के आकस्मिक निधन पर दी श्रद्धांजलि

पोखरी (चमोली)। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी जसपाल सिंह राणा (70) के आकस्मिक निधन पर रविवार को स्थानीय व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रखकर शोक व्यक्त किया। व्यापारियों ने शोक सभा में दिवंगत व्यापारी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। व्यापारियों ने कहा कि सरल और व्यवहारिक जसपाल सिंह के निधन से व्यापार जगत और क्षेत्र को अपूर्णिय क्षति हुई है। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष बीरेंद्र सिंह राणा, दीपक चौधरी, महिधर पंत, कुंवर सिंह चौधरी, कुंवर सिंह खत्री, मंगल सिंह, जितेंद्र नेगी, बीबीएस असवाल, गीता चौधरी, डॉ. तारादत्त पुरोहित आदि व्यापारी मौजूद रहे।

सीवर लाइन के बाद बनी सड़क पर बारिश से हुए गड्ढे

नरेंद्रनगर (टिहरी)। मानसून की पहली बारिश ने नगर पालिका के निर्माण कार्यों की पोल खोलकर रख दी है। नगर क्षेत्र में सीवर लाइन निर्माण के बाद सड़क पर किया गया निर्माण कार्य और डामरीकरण जगह–जगह उखड़ गया जिससे सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के कारण गड्ढों में पानी भरने से सड़क की स्थिति खराब हो गई है। इससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुमारखेड़ा बस्ती के समीप मुख्य मार्ग पर गड्ढों से तालाब जैसी स्थिति बनी है। पैदल चलने वालों को पानी के तालाब से होकर गुजरना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना के खतरे के बीच आवाजाही करने को मजबूर हैं। सीवर लाइन बिछाने के लिए कुछ समय पहले सड़क को खोदा गया था। इसके बाद नगर पालिका की ओर से सड़क पर मरम्मत और डामरीकरण कराया गया लेकिन पहली ही बरसात में डामर उखड़ने लगा। सड़क जगह–जगह क्षतिग्रस्त हो गई। पूर्व सभासद पवन डियूंडी, मानवेंद्र, वीरेंद्र शाह, मनमोहन तिवारी, अनिल कंडवाल ने निर्माण कार्य और डामरीकरण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। उनका कहना है कि सड़क की गुणवत्ता में लापरवाही बरती गई है जिसका खामियाजा अब आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

गंगोत्री हाईवे : गंगोरी–नेताला के बीच आवाजाही हुई जोखिम भरी

उत्तरकाशी। गंगोरी से नेताला तक गंगोत्री हाईवे की स्थिति लंबे समय से खराब बनी हुई है। सड़क पर जगह–जगह बने गड्ढों और जलभराव के कारण वाहन चालकों व यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात में हालात और अधिक खराब हो गए हैं जिससे हाईवे पर सफर करना जोखिमभरा साबित हो रहा है।

गंगोरी पुलिस चौकी के पास कुछ समय पहले सीमा सड़क संगठन ने क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत के लिए टाइल्स बिछाई थीं। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि ये टाइल्स अब दुर्घटना का कारण बन रही है। इनके ऊपर से गुजरते समय वाहन फिसल रहे हैं जिससे हादसे का खतरा बढ़ गया है। गंगोरी पुलिस चौकी से आगे सड़क पर बने बड़े–बड़े गड्ढों में बरसाती पानी भरने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता। वहीं, नेताला भूस्खलन जोन में भी

सड़क पर कीचड़ और जलभराव के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बीआरओ से हाईवे की जल्द मरम्मत कराने और फिसलन पैदा कर रही टाइल्स की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो बरसात के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ सकती है।

घर पर नवजात को जन्म देने के बाद मां ने तोड़ा दम

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर ब्लॉक के मुखमालगांव में बेटी को जन्म देने के बाद एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। घर पर एक नवजात बच्ची को जन्म देने के कुछ ही समय बाद 28 वर्षीय प्रसूता की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौंड लेकर रवाना हुए लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। नवजात बच्ची सुरक्षित है लेकिन जन्म लेते ही उसके सिर से मां का साया उठ गया। जानकारी के अनुसार पट्टी उपली रमोली की ग्राम पंचायत मुखमाल गांव निवासी प्रियंका देवी (28) पत्नी राकेश सिंह का घर पर प्रसव कराया गया। प्रसव के बाद कुछ समय तक उनकी स्थिति सामान्य रही लेकिन अचानक तबीयत गंभीर होने पर परिजन रात करीब 10 बजे उन्हें सीएचसी चौंड लेकर निकले।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में प्रियंका देवी ने दम तोड़ दिया। घटना ने क्षेत्र में संस्थागत प्रसव और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की जरूरत के हवाई दावों को उजागर कर दिया है जिस घर में कुछ देर पहले नवजात बच्ची के जन्म की किलकारी गूंजी थी वहां कुछ ही समय बाद मातम छा गया। परिवार की खुशियां पलभर में दुख में बदल गई। घटना पर विधायक बिक्रम सिंह नेगी, ब्लॉक प्रमुख मनीषा पंवार, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदय रावत, भगवान सिंह राणा, बीडीसी सदस्य बबलू असवाल ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

आरडी टाइगर ने जीती प्राइड क्रिकेट लीग

नई टिहरी। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विचार मंच टिहरी, क्रीड़ा विकास एवं खिलाड़ी कल्याण संस्था की पहल पर में आयोजित प्राइड क्रिकेट लीग का समापन रविवार को बौराड़ी स्टेडियम में हुआ। फाइनल मुकाबले में आरडी टाइगर ने स्टार क्रिकेट क्लब को 48 रन से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में आरडी टाइगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 163 रन बनाए। टीम की ओर से प्रियांशु पंवार व विपिन रघुवंशी ने 55–55 रन और रोबिन ने 31 रन का योगदान दिया। स्टार क्रिकेट क्लब की ओर से राकेश रावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्टार क्रिकेट क्लब की टीम 115 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से यशपाल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। आरडी टाइगर की ओर से एएस कोरंगा ने 3 विकेट, सतवंत और साकिर हुसैन ने 2–2 विकेट तथा मनवीर भंडारी ने एक विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि युवा कल्याण विभाग के पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश राणा ने विजेता आरडी टाइगर को 7100 रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी तथा उपविजेता स्टार क्रिकेट क्लब को 3100 रुपये नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

धनोल्टी में पदों के बगैर चल रही है इंटर कला वर्ग की पढ़ाई

नई टिहरी। राजकीय इंटर कॉलेज धनोल्टी में इंटर कला वर्ग की पढ़ाई बिना पदों के ही चल रही है। शिक्षा विभाग 10 सालों से कला वर्ग में प्रवक्ताओं के पद सृजित नहीं कर पाया है। विभाग ने अभिभावकों के दबाव और छात्र–छात्राओं की समस्या को देखते हुए कला वर्ग तो शुरू कर दिया, लेकिन अब उनकी नियमित क्लास चलाना मुश्किल हो रहा है। एलटी के शिक्षकों से किसी तरह व्यवस्था बनाई जा रही है। धनोल्टी स्कूल को वर्ष 2016 में इंटर कॉलेज में उच्चीकृत किया गया था। उस दौरान इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान की स्वीकृति मिली थी लेकिन कला वर्ग की पढ़ाई करने वाले छात्रों की संख्या अधिक होने पर शिक्षा विभाग ने अभिभावकों की मांग पर पदों की स्वीकृति के सापेक्ष में 11वीं–12वीं कला वर्ग में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान में भी प्रवेश शुरू कर दिए।

जनता की आवाज कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि,एकेश्वर– आज 19 जुलाई को रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आठवले) के तत्वावधान में विधानसभा चौबट्टाखाल के ग्राम बेरी खाल में जनता की आवाज कार्यक्रम का आयोजन किया गया , कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सोनू कुमार द्वारा की गयी, कार्यक्रम में ग्रामीणों लोगों ने अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्यायों को जिलाध्यक्ष के समक्ष रखा , जिसमें आवास,रास्ते,व पानी की समस्याएं प्रमुख थी। जिलाध्यक्ष द्वारा ग्रामीण लोगों की समस्यायों के निराकरण के लिये सम्बंधित विभागों को कहा गया , आर.पी.आई.के मीडिया प्रभारी विजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का हर जरूरतमंद को लाभ मिले कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंछित न रह पाये। कार्यक्रम का संचालन डॉ विजेन्द्र सिंह उत्तराखंडी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मनीराम, जितेंद्र सिंह, उपेन्द्र सिंह,हेमंती देवी,मोहन लाल,बिगरी देवी, पूजा देवी,आदि मौजूद रहे।

बीकेटीसी नहीं कर पाई जर्जर मंदिर का जीर्णोद्धार

चमोली। चाई गांव में स्थित सीता माता का पौराणिक मंदिर जर्जर हो रखा है। सीता माता की मूर्ति को एक कमरे में रखकर पूजा अर्चना की रही है। ग्रामीण तीन साल से मंदिर निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन करोड़ों की कमाई करने वाली बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने अभी तक इस मंदिर की ओर कोई ध्यान नहीं दिया है।

ज्योतिर्मठ विकासखंड के अंतर्गत चाई गांव में स्थित सीता माता का पौराणिक मंदिर है। उत्तर भारत में एकमात्र सीता माता के इस पौराणिक मंदिर को लेकर पौराणिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। लेकिन बीकेटीसी के अधीन यह मंदिर तीन साल पहले जर्ज हो गया था। मंदिर की स्थिति ऐसी है कि कभी भी गिर सकता है। ऐसे में वहां पर पूजा अर्चना करना जोखिम भरा हो गया था। इसके चलते ग्रामीणों ने माता सीता की पौराणिक मूर्ति को एक कमरे में रखकर पूजा अर्चना शुरू की। ग्रामीण कई बार बीकेटीसी को लिखित और मौखिक रूप से अवगत करा चुके हैं। कई बार समिति के अधिकारी व पदाधिकारी इस मंदिर का

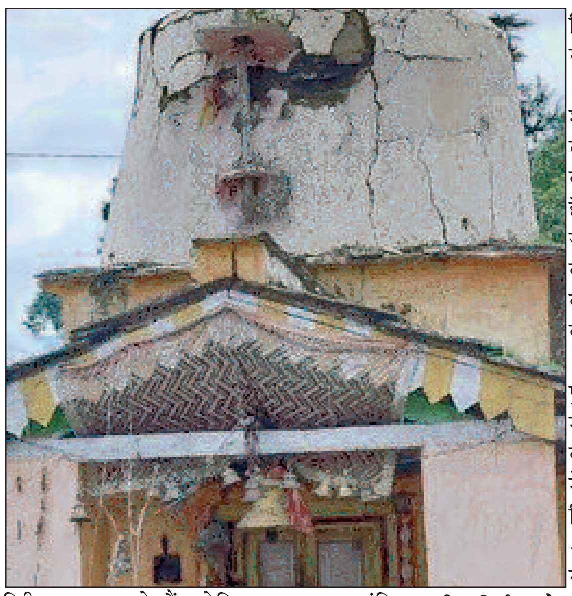

निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन आज तक मंदिर निर्माण की दिशा में कोई काम नहीं हुआ है।

चाई गांव के ग्राम प्रधान शंकर लाल का कहना है कि तीन साल से समिति को मंदिर की स्थिति से अवगत करा रहे हैं। लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मजबूरी में माता सीता की मूर्ति को एक कमरे में शिफ्ट करना पड़ा। वहीं पर पूजा अर्चना की जा रही है।

उत्तराखंड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉ. बृजेश सती का कहना है कि मंदिर समिति ने पूर्व में ऐसे कई मंदिरों के निर्माण के लिए धनराशि दी है, लेकिन अपने अधीनस्थ मंदिरों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मंदिर का शीघ्र निर्माण होना चाहिए।

छह गांव के लोगों पर भारी पड़ रही लोनिवि की लापरवाही

घनसाली (टिहरी)। लोनिवि की लापरवाही भिलंगना ब्लॉक के घोंटी, गोजियाणा, सांग्डिया, बणचुरी, इंद्रोला, दोणी, सांझघेरा गांव के लोगों पर भारी पड़ रही है। उक्त गांवों को यातायात से जोड़ने वाला करीब 11 किमी लंबा घोंटी– इंद्रोला–सांझघेरा मोटर मार्ग बदहाल हो चुका है। सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं। डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। ऐसे में लोगों को हर दिन जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। घोंटी– इंद्रोला–सांझघेरा सड़क का निर्माण 2008 में किया गया था। 2012 में सड़क मार्ग पर डामरीकरण किया गया था जो कुछ समय बाद ही उखड़ना शुरू हो गया था। इसके बाद मार्ग का डामरीकरण नहीं कराया गया। समय पर मरम्मत कार्य नहीं होने से सड़क की हालत लगातार बिगड़ती गई। क्षेत्र की करीब पांच हजार की आबादी के लिए मार्ग मुख्य संपर्क सड़क है। स्कूल, बाजार, अस्पताल और सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने के लिए क्षेत्र के सैकड़ों लोग प्रतिदिन इसी सड़क का उपयोग करते हैं। बरसात में गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। बीडीसी सदस्य ममता देवी, ग्राम प्रधान कमला देवी, हुकम सिंह, बाग सिंह, शिव सिंह का कहना है कि कई बार लोनिवि के अधिकारियों से सड़क के डामरीकरण और मरम्मत की मांग की गई ।

भारकोटबार भंगोटा में नंदादेवी मंदिर के कपाट खुले

नारायणबगड़। नंदाधाम भारकोटबार भंगोटा में नंदादेवी मंदिर के कपाट खुले। भूमियाल देवता के आगमन और नंदादेवी मंदिर के कपाटोद्घाटन के साथ चार दिवसीय नंदा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मध्य कड़ाकोट पट्टी के नौ गांवों के सहयोग से हर तीसरे वर्ष यह महोत्सव आयोजित होता है। रविवार सुबह खेन्टीखाल में आचार्यों ने चनौणा पूजन किया। इसके बाद ग्रामीण बाजे–गाजे के साथ भूमियाल देवता को लेने रैंस गांव पहुंचे। रैंस गांव में भूमियाल देवता की मूर्ति निशाण पर स्थापित कर पूजा–अर्चना की गई। भूमियाल देवता के निशाण ने शंखनाद के साथ नंदाधाम भारकोटबार के लिए प्रस्थान किया। भारकोटबार में आचार्यों ने सरकोल पूजन कर भूमियाल देवता का आह्वान किया। भूमियाल देवता के पश्वा ने मां नंदादेवी मंदिर के कपाट खोले। नंदा भक्तों ने जयकारे लगाए और अक्षत व पुष्प बरसाए। मंदिर के कपाटोद्घाटन पर पुजारी राजेंद्र प्रसाद सती और भास्करानंद सती ने गणेश व पंचांग पूजा की। जागर सम्राट बुद्धि सिंह दानू ने मां नंदा के जागर गाए। अगले चार दिनों तक नंदाधाम भारकोटबार में मां नंदा के जागर गूंजते रहेंगे। सोमवार को भूमियाल देवता की अगुवाई में मां गिरिजा भवानी के दर्शन होंगे। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम, मां नंदा के शृंगार दर्शन और देवी अवतरण के जागर गीतों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस अवसर पर मेला समिति के अध्यक्ष जयवीर सिंह रावत, मंदिर समिति के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह मेहरा, कनिष्ठ उपप्रमुख भूपेंद्र सिंह मेहरा, सतेंद्र मेहरा, प्रधान मीना देवी, कुशवर मेहरा समेत बड़ी संख्या में नंदाभक्त मौजूद रहे।

फीस सबमिट न होने की वजह से कई विद्यार्थियों का नहीं हो पाया दाखिला

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए छात्र शनिवार को परेशानियों से जूझते रहे। विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल समर्थ में सुबह से ही आई तकनीकी खराबी के कारण छात्र–छात्राएं अपनी प्रवेश फीस जमा नहीं कर सके। फीस सबमिट न होने की वजह से कई विद्यार्थी दिनभर भटकते रहे और शनिवार को अपनी दाखिला प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए।दूर–दराज के क्षेत्रों से आए छात्र और उनके अभिभावक परिसर और काउंटरों के चक्कर काटते रहे। छात्रों का कहना था कि मेरिट सूची में नाम आने और अभिलेखों के सत्यापन (डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन) के बाद जैसे ही वे फीस भुगतान के विकल्प पर जा रहे थे, पोर्टल क्रैश हो जा रहा था। कई छात्रों को डर था कि समय पर फीस जमा न होने से उनका प्रवेश निरस्त न हो जाए। उन्होंने कहा कि उन्हें विषयों के चयन में भी दिक्कतें आई। समर्थ पोर्टल के नोडल अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह से ही सर्वर में कुछ तकनीकी दिक्कतें आ गई थीं, जिससे डेटा लोड होने में समस्या हो रही थी। तकनीकी टीम ने शाम को इस खराबी को पूरी तरह ठीक कर लिया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

ग्लोबल वॉर्मिंग का कहर : यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी ने ली 10,000 लोगों की जान, बुजुर्गों पर सबसे ज्यादा आफत

लंदन, एजेंसी। यूरोप ने इस साल अप्रत्याशित रूप से भीषण गर्मी का सामना किया और पूरे महाद्वीप से संकलित आंकड़ों के मुताबिक, तापमान में बेतहाशा वृद्धि से जुड़ी घटनाओं में सामान्य से कहीं अधिक करीब 10 हजार लोगों की जान गई है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, जून के अंत में इसमें तेजी से तब वृद्धि हुई जब यूरोप के कुछ हिस्सों में तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। जानकारों का कहना है कि पूरी स्थिति समझने में समय लगता है और गर्मी से होने वाली कई मौतों को आधिकारिक तौर पर उस तरह दर्ज नहीं किया जाता। उदाहरण के लिए, भीषण गर्मी से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासतौर पर उन लोगों को जो उम्रदराज हैं और पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हैं। लेकिन उनकी मौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र में मौत की वजह दिल का दौरा लिखा जा सकता है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक गर्मियों की शुरुआत चिंताजनक रही है। पिछले कुछ वर्षों में यूरोप में कई बार भीषण गर्मी पड़ी जिसकी वजह से हजारों लोगों की मौत हुई है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी की आवृत्ति बढ़ रही है। यूरोएमओएमओ के आंकड़े कहते हैं, 28 जून को खत्म हुए सप्ताह में करीब 14,260 अधिक मौते हुईं। इनमें से 12,000 से अधिक मौतें 65 वर्ष और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की थीं। यह उस हफ्ते हुई कुल 84,583 मौतों में से था।

मेक्सिको के तट पर आया शक्तिशाली भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 7.4 तीव्रता; सुनामी की चेतावनी जारी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के तट के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेक्सिको के शहर प्यूर्टो मादेरो के पास था। इसकी गहराई जमीन से केवल 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के बाद अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने इस क्षेत्र के लिए सुनामी की आशंका जताते हुए चेतावनी जारी की है। रॉयटर्स ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा, भूकंप के झटकों से ग्वाटेमाला सिटी में इमारतें हिल गईं। एक अन्य चश्मदीद ने रॉयटर्स को बताया कि एल सल्वाडोर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ग्वाटेमाला के राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने कहा कि भूकंप के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अभी तक कोई मौत नहीं हुई है और हम हर मिनट स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और ऐसे हालात में जारी की जाने वाली सलाह का पालन करने की अपील की। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओआक्साका के गवर्नर ने कहा कि भूकंप के झटके राज्य की राजधानी में 'मध्यम तीव्रता' के साथ महसूस किए गए। सलोमोन जारा ने सोशल मीडिया पर बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद ग्वाटेमाला की राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी (कॉनरेड) ने एहतियाती कदम उठाते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एजेंसी की ओर से ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में यह दिखाया गया है। कॉनरेड ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें, अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और केवल आधिकारिक माध्यमों से मिली जानकारी पर भरोसा करें।

अमेरिकी हमले में चाबहार बंदरगाह का समुद्री ट्रैफिक कंट्रोल टावर नष्ट; ईरान ने किया पलटवार

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका के ताजा हमलों में ईरान के मकरान इलाके में स्थित चाबहार बंदरगाह का समुद्री यातायात नियंत्रण टावर नष्ट हो गया है। ईरान ने इसे 'घृणित हमला' बताया और कहा कि यह हमला मछुआरों की आजीविका और क्षेत्र में आम नागरिकों की समुद्री सुरक्षा को निशाना बनाकर किया गया। ईरान ने तस्नीम समाचार एजेंसी के हवाले से जारी बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने तीन मिसाइलें दागकर एक 'पूरी तरह से नागरिक ढांचे' को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया कि अहम बुनियादी ढांचे पर अमेरिकी हमले एक बार फिर पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड और वाशिंगटन की ओर से खुद बनाए गए अंतरराष्ट्रीय समझौतों की अनदेखी को दिखाते हैं। इस बीच, अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है।

बहरीन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का हमला; अमेरिका की नागरिकों से पश्चिम एशिया ना जाने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया, ताकि संयंत्र, कर्मचारियों और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन योजनाएं तुरंत लागू कर दी गई हैं और बिजली व पानी की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

ईरान के 20 गांवों में पेयजल संकट से 10 हजार लोग प्रभावित : ईरान के होर्मोजगान प्रांत के जास्क काउंटी स्थित बुंजी गांव में अमेरिकी हमले के बाद जल विलवणीकरण संयंत्र और समुद्री जल पंपिंग स्टेशन पूरी तरह तबाह हो गए। होर्मोजगान जल एवं अपशिष्ट जल कंपनी के सीईओ हमजेह पूर के अनुसार, इस हमले से करीब 20 गांवों के लगभग 10 हजार लोगों की पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। उन्होंने अमेरिकी कार्रवाई को 'आतंकी हमला' बताते हुए कहा कि प्रभावित गांव गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं।

ईरान ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ढ्ढक्रत्रष्ट ने यह भी दावा किया कि बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान बंद : ईरान की ओर से हुए ताजा हमलों के बाद सुरक्षा कारणों से कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों के टेकऑफ और लैंडिंग संचालन को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। कुवैत एयरवेज ने यात्रियों को जारी नए अपडेट में इसकी जानकारी दी और कहा कि हालात सामान्य होने तक विमान संचालन प्रभावित रहेगा। इससे पहले एयरलाइन ने हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण अपनी अधिकांश उड़ानों का समय पुनर्निर्धारित (रीशेड्यूल) करने की घोषणा की थी और यात्रियों से उड़ानों से जुड़े अपडेट पर लगातार नजर रखने की अपील की थी।

पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ इराक ने किए समझौते : इराक सरकार ने पश्चिमी तेल कंपनियों के साथ कई अहम प्रारंभिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ तेल निर्यात के वैकल्पिक मार्ग विकसित करना है। अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी स्थित यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में आयोजित अमेरिका-इराक बिजनेस समिट के दौरान हुए इन समझौतों में इराक-सीरिया कच्चा तेल पाइपलाइन के पुनर्निर्माण की योजना भी शामिल है। यह लंबे समय से बंद पड़ी पाइपलाइन उत्तरी इराक के तेल समृद्ध किर्कुक क्षेत्र को सीरिया के भूमध्यसागरीय बंदरगाह बनियास से जोड़ती है। इराक इस परियोजना के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी निर्भरता कम कर वैकल्पिक निर्यात मार्ग तैयार करना चाहता है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस परियोजना को अमेरिकी ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन अंजाम देगी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे 'उचित जवाबी कार्रवाई' के लिए तैयार रहें।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, ने ऐसे देशों से अपने नागरिक सुरक्षा तंत्र (सिविल डिफेंस) को सक्रिय करने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें संभावित सैन्य ठिकानों से दूर ले जाने को कहा है। इन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के लिए किया जा रहा है। तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक की जमीनी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों से कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक्स हब कैंप अरिफजान को निशाना बनाया, जिसमें वहां मौजूद सैन्यकर्मियों के हताहत होने का दावा किया गया है। इसके साथ ही ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर भी हमला करने, वहां की रडार प्रणाली को निष्क्रिय करने तथा हथियारों के रखरखाव वाले हैंगर और ड्रोन सुविधा को नष्ट करने का दावा किया है।

तीस्ता परियोजना पर बांग्लादेश ने क्यों थामा चीन का हाथ, भारत की चिंता की वजह क्या है?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने तीस्ता नदी परियोजना के लिए चीन का हाथ थाम लिया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इस परियोजना की फीजिबिलिटी स्टडी कराने का समझौता किया। फिलहाल यह केवल शुरुआती अध्ययन है, लेकिन इसे चीन के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। यह परियोजना भारत के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। तीस्ता नदी का उद्गम सिक्किम के पूर्वी हिमालय में होता है। इसके बाद यह पश्चिम बंगाल से होकर बांग्लादेश में प्रवेश करती है और अंत में जमुना (भारत में ब्रह्मपुत्र) नदी में मिल जाती है। तीस्ता नदी की कुल लंबाई 414 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 113 किलोमीटर हिस्सा बांग्लादेश में बहता है, जबकि शेष भाग भारत (सिक्किम और पश्चिम बंगाल) में स्थित है।

यह नदी दोनों देशों के लिए सिंचाई, कृषि, पेयजल, मत्स्य पालन और बाढ़ नियंत्रण का प्रमुख स्रोत है। खासकर बांग्लादेश के उत्तरी जिलों की खेती काफी हद तक इसी नदी पर निर्भर है। हालांकि सर्दियों में पानी की भारी कमी और मानसून में बाढ़ यहां की सबसे बड़ी समस्या है।

तीस्ता को लेकर कौन से प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है बांग्लादेश : तीस्ता रिवर कॉम्प्रिहेंसिव मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट बांग्लादेश की सबसे बड़ी नदी प्रबंधन परियोजनाओं में से एक है। अमेरिकी विश्वविद्यालय लॉक हेवन की रिसर्च के अनुसार, इस परियोजना का मकसद तीस्ता नदी को इस तरह विकसित करना है कि पानी का बेहतर इस्तेमाल हो सके और नदी से जुड़ी समस्याएं कम हों। इसके लिए सात मुख्य लक्ष्य तय किए गए हैं।

इस परियोजना की शुरुआत कब हुई : जुलाई 2019 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की चीन यात्रा के दौरान चीन ने तीस्ता परियोजना में सहयोग का आश्वासन दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने चीन की सरकारी पावर कंपनी के साथ तकनीकी सहयोग और लगभग 853 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता पर सहमति बनी। 2020 में शेख हसीना सरकार ने इस परियोजना का खाका पेश किया। लेकिन आर्थिक कारणों और भारत की सुरक्षा चिंताओं के चलते इसे अंतिम मंजूरी नहीं मिली। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्रालय ने 2020 में आर्थिक संबंध प्रभाग (श्वक्रष्ठ) को पत्र लिखकर इस परियोजना के लिए चीन से 983.27 मिलियन डॉलर (करीब 98.3 करोड़ डॉलर) का कर्ज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। यह ऋण सीधे टीआरसीएमआरपी को लागू करने के लिए मांगा गया है। अब तारिक रहमान सरकार ने चीन के साथ इस परियोजना को फिर से आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

जेडी वेंस के परिवार से परेशान हुई सीक्रेट सर्विस; उपराष्ट्रपति के किन मांगों पर एजेंटों ने जताई नाराजगी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कई एजेंट कथित तौर पर उनकी बार-बार होने वाली अचानक यात्रा योजनाओं और आखिरी समय में बदले जाने वाले कार्यक्रमों से परेशान हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन लगातार बदलावों से सुरक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, टीम का मनोबल प्रभावित हो रहा है और सरकारी धन के अनावश्यक खर्च को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं।

एमएस नाउ की रिपोर्ट के अनुसार, एक घटना ने कई सुरक्षा एजेंटों को खास तौर पर नाराज कर दिया। बताया गया कि वेंस और उनके छोटे बेटे को गोल्फ सीखने के लिए वॉशिंगटन के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक मरीन टू हेलीकॉप्टर से ले जाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि खराब मौसम के कारण यह उड़ान नहीं हो सकी, लेकिन केवल इस तरह का प्रस्ताव ही कई एजेंटों को हैरान कर गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक एजेंट ने निजी संदेश में कहा कि यह पूरी तरह बेतुका है। माइक पेंस और कमला हैरिस ने कभी ऐसा नहीं किया। एक दूसरे एजेंट ने कहा कि ये लोग हर समय अपना कार्यक्रम बदल देते हैं। तय समय का पालन नहीं करते और इससे करदाताओं के लाखों डॉलर बेवजह खर्च होते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मरीन टू हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करने के लिए व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय की मंजूरी जरूरी होती है। वर्ष 2022 के पेंटागन के बजट के अनुसार, इस हेलीकॉप्टर को उड़ाने पर हर घंटे 16 हजार से 24 हजार 600 अमेरिकी डॉलर तक खर्च आता है। सूत्रों के अनुसार, सरकारी हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल पर कोई औपचारिक रोक नहीं है, लेकिन इस तरह की यात्रा पहले कभी नहीं हुई। उनका कहना है कि ऐसी अचानक की गई मांगों से सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस, जो अमेरिका की सेकेंड महिला हैं, हाल ही में नया घर देखने के लिए वर्जीनिया के मिडलबर्ग कई बार हेलीकॉप्टर से गए। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनकी उम्र 9, 6 और 4 वर्ष है। रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने चौथे बच्चे के आने का इंतजार कर रहे हैं।

पीओके में हो रही हिंसा पर ह्र की एंट्री: पाकिस्तान से मांगा जवाब; नेताओं की गिरफ्तारी और इंटरनेट बंदी पर सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों के साथ-साथ सुरक्षाबलों की मौतों की निष्पक्ष, त्वरित और व्यापक जांच कराने की मांग की है। जिनेवा से शुक्रवार को जारी बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि जुलाई के अंत में होने वाले क्षेत्रीय चुनावों से पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अशांति की लहर देखने को मिल रही है। बयान के मुताबिक, 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

मौतों की निष्पक्ष जांच की मांग क्यों की गई : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच होनी चाहिए ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

जेएएसी पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया : बयान के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रही संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संगठन में व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, छात्र, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हैं। पाकिस्तान प्रशासन का आरोप है कि यह संगठन सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा बन रहा था। प्रतिबंध के बाद संगठन के कई नेताओं को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

ह्र ने नागरिक अधिकारों को लेकर क्या चिंता जताई : संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि किसी नागरिक संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा करने के अधिकार और संगठन बनाने की स्वतंत्रता जैसे बुनियादी अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए छ्रष्ट नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने क्षेत्र में इंटरनेट सेवाओं पर लगाए गए।

ईरान की यूएस को चेतावनी: अमेरिकी हमले जारी रहे तो 2-3 दिन में आएगी तबाही; क्या पूरे पश्चिम एशिया में फैलेगी जंग?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका दो से तीन दिनों तक ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी चरण में प्रवेश करेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि 'युद्ध और वार्ता' की नीति समाप्त हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहते हैं, तो ईरान के सशस्त्र बल अब केवल जवाबी हमलों तक सीमित नहीं रहेंगे। अमेरिकी ठिकाने और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के भीतर सुरक्षित नहीं रहेंगी। रेजाई ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने युद्ध को क्षेत्रीय युद्ध में बदलकर अमेरिका पर गलत अनुमान लगाने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान विरोधी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी बलों सहित अतिरिक्त सैन्य क्षमताओं को तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ जाएगा। रेजाई ने कुवैत, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित क्षेत्रीय देशों के लोगों से भी आगे तनाव बढ़ने से रोकने में मदद करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान चरण में भी, अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया बहुत तीव्र रही है। वहीं, चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में ईरानी सैन्य अभियानों की तीव्रता बढ़ेगी। रेजाई ने कहा, 'अमेरिका को मिसाइल और ड्रोन हमलों की बढ़ती लहरों का इंतजार करना होगा। उन्होंने वाशिंगटन को ईरान के खिलाफ किसी भी जमीनी अभियान के खिलाफ चेतावनी दी।

ईरान ने एक जहाज को निशाना बनाया : इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने शुक्रवार को बताया कि ईरानी सेना ने दिन में पहले होर्मुज जलडमरूमध्य में एक उल्लंघन करने वाले जहाज को निशाना बनाया। एक जानकार सैन्य सूत्र का हवाला देते हुए, तसनीम ने कहा कि थाई ध्वज वाले जहाज ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर की नौसेना से आवश्यक अनुमति प्राप्त किए बिना जलडमरूमध्य को पार करने का प्रयास किया और चेतावनियों को नजरअंदाज किया।

पिछले कई दिनों से, अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों के खिलाफ कई बार हमले किए हैं। यह दावा करते हुए कि ये हमले ईरानी सशस्त्र बलों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाने के जवाब में हैं। इनका उद्देश्य वाणिज्यिक जहाजों को धमकी देने की ईरान की क्षमता को कमजोर करना है। ईरान ने इसके जवाब में पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमलों की कई लहरें चलाईं।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को बनाया निशाना; होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बेहद कम

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी देश अब एक ऐसी आग में झुलस रहे हैं, जिसे बुझाना नामुमकिन लग रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीधी चेतावनी के बाद अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने लगातार छठी रात ईरान को बमों से पाट दिया है। यह हमला कितना भीषण है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि अमेरिकी मिसाइलों ने इस बार सिर्फ सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि ईरान की लाइफलाइन कहे जाने वाले पुलों, रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के पास भारी तबाही हुई है, जिससे ईरान के कई शहरों का आपस में संपर्क पूरी तरह टूट गया है। जवाब में बौखलाए ईरान ने भी अमेरिकी बेस वाले बहरीन और कुवैत पर मिसाइलें और ड्रोन दागकर भीषण पलटवार कर दिया है। क्या अब खाड़ी के रास्ते पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था ठप हो जाएगी।

अमेरिकी सेना ने चाबहार के निगरानी टावर को नष्ट करने का किया दावा : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि उसने चाबहार के शाहिद कालंतरी बंदरगाह पर बने निगरानी टावर को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। यह टावर ईरान के ओमान की खाड़ी वाले तट पर बने समुद्री निगरानी नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका इस्तेमाल दशकों से इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों पर नजर रखने और उन्हें निशाना बनाने के लिए करता आ रहा था। इस टावर के नष्ट होने से आईआरजीसी की निर्दोष आम नागरिकों (चालक दल के सदस्यों) पर हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की क्षमता सीधे तौर पर कम हो गई है। इसके अलावा, यह कार्रवाई क्षेत्र के जलक्षेत्र में सभी जहाजों के लिए आवाजाही की स्वतंत्रता को सुरक्षित करती है, सिवाय उन जहाजों के जो ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुवैत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ईरान ने उसके एक बिजली उत्पादन और समुद्री जल को पीने योग्य बनाने वाले (डिसैलिनेशन) संयंत्र पर हमला किया, जिससे स्टेशन को व्यापक नुकसान पहुंचा। कुवैत के बिजली, जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हमले के बाद आग लग गई और बिजली उत्पादन की कई इकाइयों को क्षति पहुंची। मंत्रालय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और नुकसान का आकलन करने के साथ-साथ संयंत्र को दोबारा चालू करने के प्रयास जारी हैं। कुवैत में करीब 90 प्रतिशत पेयजल समुद्री जल के डिसैलिनेशन से प्राप्त होता है, ऐसे में इस तरह का हमला देश की जल आपूर्ति और आवश्यक सेवाओं के लिए गंभीर चुनौती माना जा रहा है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने होर्मोजगान प्रांत में रेलवे के एक महत्वपूर्ण बिंदु को हुए नुकसान के चलते बंदर अब्बास स्टेशन से यात्री ट्रेनों के परिचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है।

कनाडा के धुएं पर भड़के ट्रंप: नया टैरिफ लगाने की दी धमकी, क्या जंगल की आग से यूएस को हुआ अरबों डॉलर का नुकसान?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी। इसके साथ ही ओटावा पर अपने जंगलों का प्रबंधन करने में विफल रहने और जंगल की आग के धुएं को संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैलने देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा बताया।

ट्रंप ने कनाडा पर क्या आरोप लगाए : ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा 'हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और उनमें उगने वाली झाड़ियों का ठीक से रखरखाव नहीं कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

प्रधानमंत्री कार्नी से करेंगे बात : उन्होंने यह भी कहा कि वे स्पष्टीकरण मांगने और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा 'मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने वाले हैं। इसकी लागत का अंदाजा लगाना मुश्किल है!'

क्या अमेरिका को अरबों का नुकसान हुआ है: ट्रंप ने कनाडा पर पर्याप्त वन प्रबंधन और मलबा हटाने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे जानबूझकर की गई लापरवाही करार दिया। इसके साथ ही दावा किया कि बार-बार होने वाली जंगल की आग के धुएं से संयुक्त राज्य अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, 'इस प्रदूषण की लागत को कनाडा की ओर से वर्तमान में भुगतान किए जा रहे टैरिफ में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिए।

नासा ने क्या बताया : ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय आई जब कनाडा में लगी सैकड़ों सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं सीमा पार करके अमेरिका के कई राज्यों में फैल गया, जिससे वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई। नासा के अनुसार, कनाडा में लगी लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं, जिसमें ओंटारियो में लगी 180 से अधिक आग भी शामिल हैं, ऊपरी मध्यपश्चिम से लेकर उत्तरपूर्व तक फैले अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों में फैल चुका है।

कनाडा के कितने जंगलों में लगी आग : कैनेडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर ने बताया कि शुक्रवार को कनाडा भर में लगभग 888 जंगल की आग लगी हुई थी, जिनमें से अधिकांश पर काबू पाना असंभव था। इनमें से 190 से अधिक आग ओंटारियो में लगी थीं। जंगल की आग से निकले धुएं ने मिनेसोटा, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, ओहियो और न्यूयॉर्क सहित संयुक्त राज्य अमेरिका के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आईक्यूएयर के अनुसार, शुक्रवार को डेट्रॉइट में दुनिया की सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जिसके बाद शिकागो, वाशिंगटन डीसी और न्यूयॉर्क का स्थान रहा। टैरिफ लगाने की धमकी कई रिपब्लिकन सांसदों की आलोचना के बाद आई है, जिन्होंने कनाडा पर बार-बार लगने वाली जंगल की आग के धुएं को अमेरिका में प्रवेश करने से रोकने के लिए पर्याप्त कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है। ट्रंप की नया नवीनतम टैरिफ चेतावनी पर कनाडाई अधिकारियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की जिम्मेदारी कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों की है। वहीं, प्रीमियर डग फोर्ड ने वाशिंगटन से कनाडा की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बजाय अतिरिक्त सहायता भेजने का आग्रह किया। हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि जंगल की आग से निकलने वाला धुआं मुख्य रूप से मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, न कि राजनीतिक सीमाओं से।

टोरंटो विश्वविद्यालय के डॉ. पैट्रिक जेम्स ने कहा, 'मौसम को अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से कोई लेना-देना नहीं है।' इसके साथ ही बताया कि हाल के वर्षों में अमेरिका में लगी भीषण जंगल की आग से निकलने वाले धुएं ने कनाडा को भी प्रभावित किया है। विशेषज्ञों ने आगे कहा कि वर्तमान में लगी कई आग कनाडा के विशाल, दूरस्थ जंगलों में जल रही हैं।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ– देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न–जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन–नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन–पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता–फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

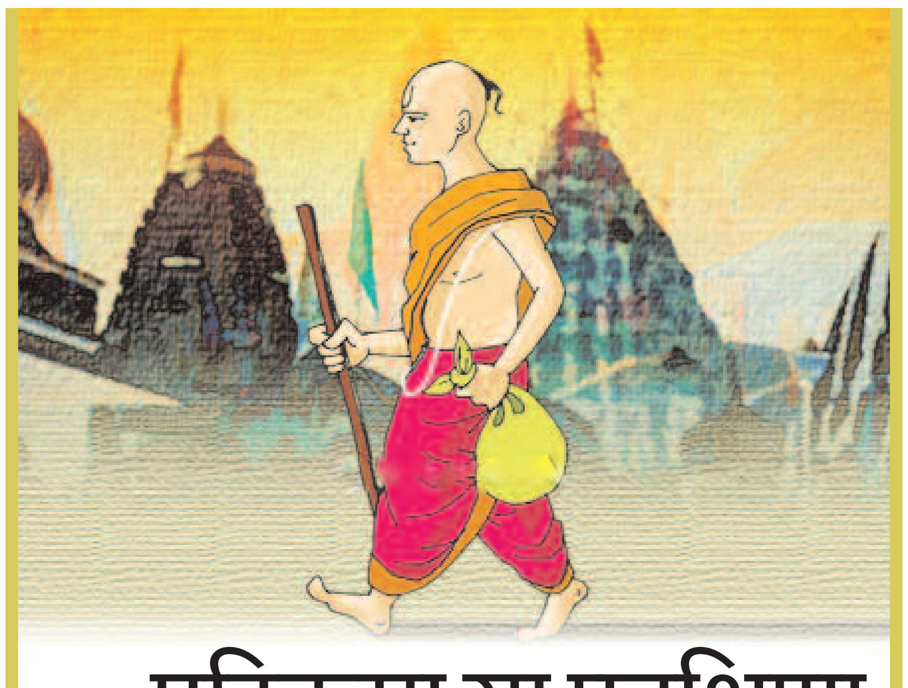

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा

जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा

देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा

जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा

जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा

जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा

जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा

जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा

अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाज्रक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग–अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा

मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा

भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा

जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा

एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा

यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

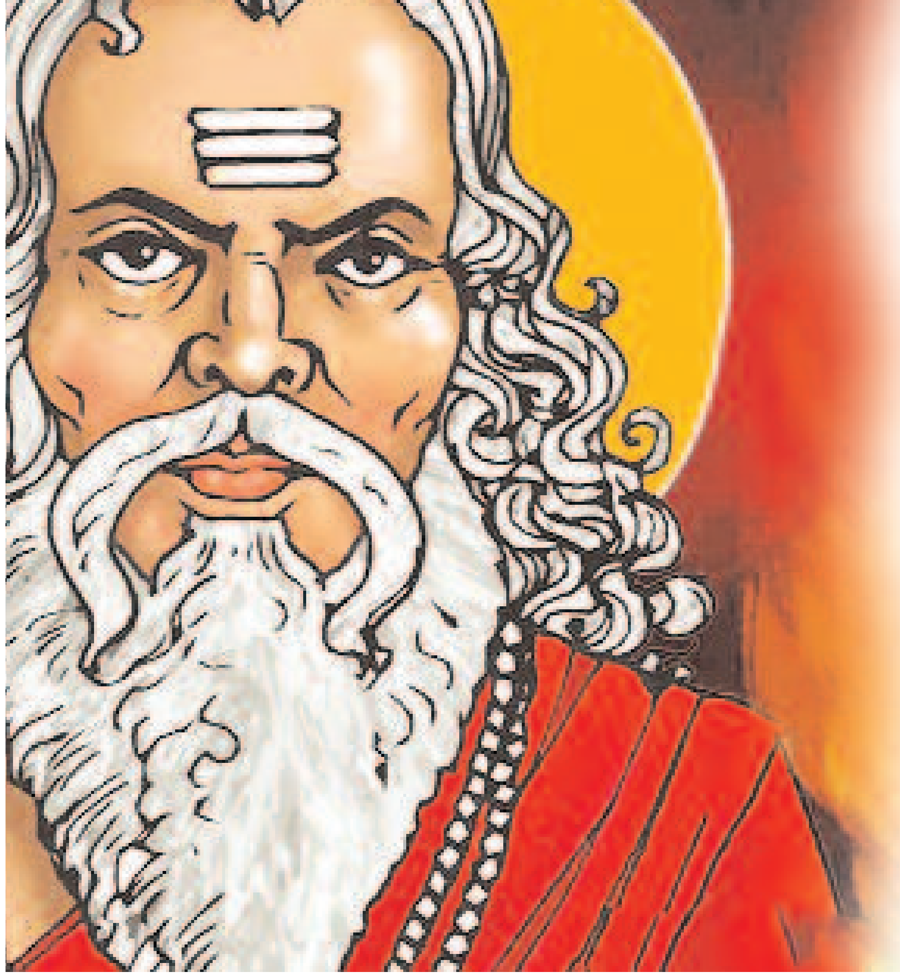

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच–बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों– पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

30 की हुई स्मृति मंधाना

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।

तीनों फॉर्मेट में शानदार रिकॉर्ड

करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में स्मृति मंधाना ने तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

टेस्टः 9 मैच, 788 रन, 2 शतक, 5 अर्धशतक

वनडेः 120 मैच, 5,411 रन, 14 शतक, 35 अर्धशतक

टी20 अंतरराष्ट्रीयः 171 मैच, 4,538 रन, 1 शतक, 35 अर्धशतक

उनकी आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में जीत दिला चुकी है।

फाइनल में यामागुची को हराया

पीवी सिंधु ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

जीतने वाली पहली भारतीय बनी

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं।31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला।

सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं।

एस. जयशंकर ने भी दी शुभकामनाएं

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी सिंधु को बधाई देते हुए लिखा, पीवी सिंधु को 2026 जापान ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई। हमें आप पर गर्व है।

2019 के बाद पहला बड़ा खिताब जीतीं

सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुईं- सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला। इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पीवी सिंधु की ऐतिहासिक जीत पर पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है: राजनाथ सिंह

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें बधाई देते हुए देश का गौरव बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिंधु की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पीवी सिंधु को जापान ओपन 2026 महिला एकल खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

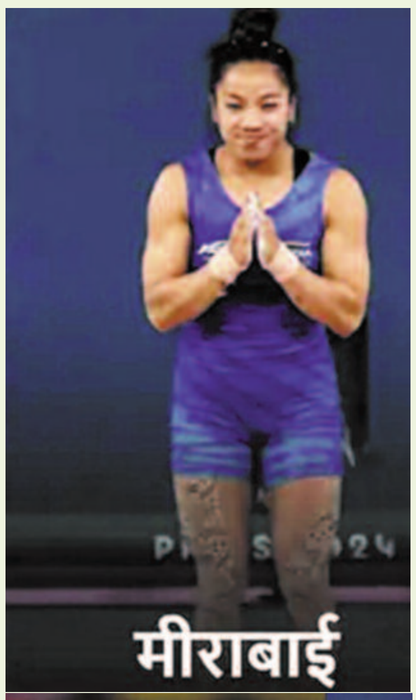

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं। चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं। लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था

इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज जीता

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस को 6-4 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम 1966 में चैंपियन बनी थी।

इंग्लैंड की जीत के हीरो बुकायो साका रहे, जिन्होंने हैट्रिक लगाई। वहीं, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल करके गोल्डन बूट की रेस में मेसी को पीछे छोड़ दिया। उनके 10 गोल हो गए हैं, जबकि मेसी के 8 गोल हैं।

इतना ही नहीं, एमबाप्पे वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने। उनके नाम अब 22 विश्व कप गोल हो गए हैं, जबकि लियोनेल मेसी के 21 गोल हैं। हालांकि, आज देर रात होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल में मेसी के पास वापसी करने का मौका है।

वर्ल्ड कप के तीसरे स्थान के मैच में पहली बार कुल 10 गोल देखने को मिले। यह वर्ल्ड कप 1982 के बाद सबसे ज्यादा गोल वाला मुकाबला रहा। डेक्लान राइस ने इंग्लैंड के लिए फुटबॉल वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज (2 मिनट 14 सेकेंड) गोल किया।

साका की हैट्रिक, फ्रांस हारा, एम्बाप्पे गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे, टूर्नामेंट में 10 गोल

रोहित-विराट टीम में परमानेंट नहीं, प्रदर्शन के दम पर ही मिलनी चाहिए जगह

कपिल देव बोले-

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि टीम इंडिया में किसी भी खिलाड़ी की जगह पक्की नहीं होती। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों को भी जब तक प्रदर्शन कर रहे हैं, तब तक खेलना चाहिए। साथ ही टीम मैनेजमेंट को भविष्य के लिए नए खिलाड़ियों को भी तैयार रखना चाहिए।

कपिल देव ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में टीम में बने रहने का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक वे टीम के लिए रन बना रहे हैं और मैच जिता रहे हैं, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई सीनियर खिलाड़ी फॉर्म से बाहर होता है, तो टीम के पास मजबूत बैकअप तैयार होना चाहिए। रोहित शर्मा और विराट कोहली 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। फिलहाल दोनों वनडे और टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए खेल रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों के बीच बेफिक्र दिखे रोहित

● लॉर्ड्स की बॉलकनी में गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते आए नजर

गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक का वीडियो वायरल

लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

संन्यास की अफवाहों ने पकड़ा था जोर

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए

लंदन (एजेंसी)। संन्यास की अटकलों के बीच रोहित शर्मा के लॉर्ड्स से दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में वह गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते दिखे, जबकि दूसरे में उन्होंने कहा, 'बाहर क्या चल रहा है, उससे हमको क्या', जिससे उन्होंने बाहरी चर्चाओं को तवज्जो न देने का संदेश दिया। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे से पहले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा का केंद्र बन गए हैं। एक ओर उनके वनडे भविष्य को लेकर संन्यास की अटकलें तेज हैं, तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर उनके दो वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। पहले वीडियो में रोहित शर्मा टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं, जबकि दूसरे वीडियो में उन्होंने अपने अंदाज में साफ कर दिया कि बाहरी चर्चाओं से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

चयनकर्ताओं के बीच हुई थी चर्चा-रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चयनकर्ताओं के बीच चर्चा जरूर हुई थी और टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को भी इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी।

भारत और इंग्लैंड तीसरे वनडे में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

महान क्रिकेटर सोबर्स को दी श्रद्धांजलि

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने रविवार को लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी बांधी। 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक सोबर्स ने शुक्रवार को आखिरी सांस ली। वे अपने 90वें जन्मदिन से 11 दिन दूर थे। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने एक पोस्ट में कहा, %टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका शुक्रवार को निधन हो गया। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का फैसला करने वाले तीसरे वनडे मैच की शुरुआत से पहले क्रिकेट के मक्का (लॉर्ड्स) में एक मिनट का मौन रखा गया। भीड़ और खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर सोबर्स को श्रद्धांजलि दी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने खेल की शुरुआत के लिए घंटी बजाई। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतने के बाद कहा, आज हम पहले बैटिंग करेंगे। पिच अच्छी लग रही है। साकिब महमूद की जगह टंग टीम में वापस आ रहे हैं। रूट ने जिस तरह से बैटिंग की, उससे एक बढ़िया मिसाल कायम हुई है। उम्मीद है कि हम हालात को जल्दी समझ लेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के बाद कहा,हम बॉलिंग करते।